मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 234
गुरुवार, 12 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

'मिडिल ईस्ट संकट पर राजनीति कर रही कांग्रेस': पीएम मोदी

केरल, 11 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्र को समर्पित करते हुए कोच्चि में लगभग 10,800 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जो केरल में अवसंरचना, ऊर्जा और औद्योगिक विकास को एक बड़ा बढ़ावा देती हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोद ने कहा कि केरल की जनता ने देखा है कि कांग्रेस के नेता ड्रोन निर्माण में भारत के युवाओं की उल्लेखनीय उपलब्धियों से अनभिज्ञ हैं। कांग्रेस नेता को यह जानकारी नहीं है कि भारत में कई कंपनियां ड्रोन का निर्माण कर रही हैं। उन्हें यह भी नहीं पता कि केरल के युवाओं ने ड्रोन विकसित करने के लिए स्टार्टअप शुरू किए हैं। जो व्यक्ति अपनी संकीर्ण सोच में जकड़ा रहता है, वह देश की प्रगति को कभी नहीं देख पाएगा। मोदी ने कहा कि खाड़ी और पश्चिम एशिया में जो कुछ हो रहा है, उसे लेकर आप सभी का चिंतित

होना स्वाभाविक है। याद रखिए, आज भाजपा-एनडीए सरकार सत्ता में है। जब भी हमारे देश का कोई नागरिक संकट में होता है, हम उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देते हैं। उन्होंने कहा कि चाहे इराक से नर्सों को बचाना हो या यमन में आतंकवादियों के चंगुल से फादर टॉम को छुड़ाना हो, भारत आज भी संकट के समय में अपने नागरिकों को कभी नहीं छोड़ता। आज भी हमारा प्रयास युद्धग्रस्त देशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे इस बात की तसल्ली है कि खाड़ी के हमारे सभी मित्र देशों की सरकारें हमारे नागरिकों का ख्याल रख रही हैं। उन देशों में हमारे मिशन और दूतावास चौबीसों घंटे उनकी सहायता कर रहे हैं। लेकिन यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस पार्टी इतने बड़े वैश्विक संकट के बीच भी राजनीति में उतरने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस जानबूझकर भड़काऊ और गैर-जिम्मेदाराना बयान देकर स्थिति को और बिगाड़ रही है। ताकि हमारे लोग इस संकट में फंसे रहें, और फिर ये लोग मोदी को गाली देने वाली रीलें बनाने का अभियान शुरू कर सकें।

मोदी ने कहा कि खाड़ी में चल रहे युद्ध ने हमें एक बार फिर आत्मनिर्भरता का महत्व सिखाया है। हमने कोविड संकट, यूक्रेन संकट के दौरान आत्मनिर्भरता का महत्व देखा है और मौजूदा संकट ने इसे एक बार फिर साबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ भाजपा-एनडीए देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस और वामपंथी दल आत्मनिर्भर भारत अभियान का मजाक उड़ाने में लगे हैं... इन्होंने देश को विदेशी देशों पर और भी ज्यादा निर्भर बना दिया है। आज ये सभी मिलकर अफवाहें फैलाने में लगे हैं। यहां तक कि युद्धकाल में भी कांग्रेस, वामपंथी दल और उनके सहयोगी संगठन अपनी सारी ऊर्जा देश में दहशत फैलाने और संघर्ष पैदा करने में लगा रहे हैं।

विपक्ष पर वार करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि सबरीमाला मंदिर मामले में उनकी साझेदारी पर विचार करें। एलडीएफ सदस्यों पर सोना लूटने का आरोप है, जबकि यूडीएफ सदस्यों पर चोरी का सोना बेचने का आरोप है। उन्होंने कहा कि एक तरफ कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ है, जो अब मुस्लिम लीग-माओवादी कांग्रेस (एमएमसी) बन चुका है।

उन्नाव केशः पीड़िता की इंसाफ की जंग, कुलदीप सेंगर की सजा बढ़ाने वाली याचिका पर हाई कोर्ट ने दिया और वक्त

नई दिल्ली, 11 मार्च। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को कुलदीप सिंह सेंगर और अन्य को उन्नाव हिरासत में हुई मौत के मामले में सजा बढ़ाने की मांग वाली याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय दिया। यह याचिका मृतक की बेटी ने दायर की है, जो उन्नाव बलात्कार पीड़िता भी है। उसने सेंगर और अन्य दोषियों को दी गई 10 साल की सजा को बढ़ाने की मांग की है। न्यायमूर्ति नवीन चावला और रविंदर दुडेजा की खंडपीठ ने प्रतिवादियों को अधिक समय दिया क्योंकि कुछ प्रतिवादियों को याचिका की प्रति उपलब्ध नहीं कराई जा सकी थी। पीठ ने गौर किया कि मूल मामले की सुनवाई 2 मार्च को होनी थी। हालांकि, बाद में उस तारीख को छुट्टी घोषित कर दी गई, जिसके बाद मामले को 11 मार्च के लिए सूचीबद्ध किया गया।

कुलदीप सिंह सेंगर को छोड़कर इस मामले में बाकी सभी दोषी जमानत पर हैं। उन्नाव बलात्कार पीड़िता, जिसने याचिका दायर की है, की ओर से अधिवक्ता महमूद प्राचा पेश हुए। दूसरी ओर, सीबीआई की ओर से अधिवक्ता अनुभा भारद्वाज पेश हुईं और उन्होंने निवेदन किया कि याचिका की सुनवाई उसकी स्वीकार्यता तय करने के बाद ही की जानी चाहिए। कुलदीप सिंह सेंगर हिरासत में मौत के मामले में 10 साल की सजा और नाबालिग से बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। दोनों मामलों में उनकी अपीलें दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित हैं।

पिछली पीठ ने कहा था कि सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शानुसार, मामले का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर और 3 महीने के भीतर किया जाना चाहिए। सभी मामले अलग-अलग पीठों के समक्ष लंबित हैं। इस स्थिति में मामले का निपटारा 3 महीने में नहीं किया जा सकता। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिसंबर 2025 में हिरासत में मौत के मामले में कुलदीप सिंह सेंगर की सजा को निलंबित कर दिया था।

ओमान में ईरान ने मचाया कोहराम, धधकने लगा लाखों लीटर कच्चा तेल

ईरान, 11 मार्च। ओमान के सलालाह बंदरगाह में तेल भंडारण सुविधाओं पर ड्रोन से हमले हुए हैं। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि वे भीषण आग पर काबू पाने के प्रयास में जुटे हैं। ईरान, अमेरिका और इजराइल द्वारा देश पर किए जा रहे लगातार हमलों के जवाब में, खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा उत्पादन और भंडारण स्थलों को निशाना बनाना जारी रखे हुए है।

ओमान न्यूज एजेंसी ने सरकारी सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया कि कई ड्रोनों को सफलतापूर्वक रोककर मार गिराया गया, जबकि अन्य ड्रोन बंदरगाह परिसर के भीतर ईंधन टैंकों से टकरा गए। अधिकारियों ने पुष्टि की कि हमले में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ, हालांकि प्रत्यक्षदर्शियों ने बंदरगाह के दक्षिणी हिस्से से धुएं के घने गुबार उठते देखे

जाने की सूचना दी।निजी समुद्री सुरक्षा फर्म वैनगार्ड टेक ने बताया कि हड़ताल के बाद बंदरगाह पर परिचालन निलंबित कर दिया गया है। इस निलंबन से सामान्य माल और तरल टर्मिनल पूरी तरह से ठप्प हो गए हैं, जो क्षेत्रीय ईंधन वितरण और समुद्री माल ढुलाई के लिए महत्वपूर्ण केंद्र हैं।

तेहरान खाड़ी देशों में ऊर्जा उत्पादन और भंडारण स्थलों को निशाना बनाने की एक सुसंगत रणनीति अपनाए हुए है। ये जवाबी हमले ईरान के सर्वोच्च नेता की मृत्यु के बाद 28 फरवरी को शुरू हुए अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हवाई अभियान की सीधी प्रतिक्रिया हैं। अरब सागर पर स्थित सलालाह बंदरगाह, अब अवरुद्ध होर्मुज जलडमरूमध्य के एक महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में कार्य कर रहा था। विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे बंदरगाहों को निशाना बनाने का उद्देश्य वैश्विक ऊर्जा संकट को बढ़ाना और पश्चिमी देशों के सहयोगी देशों पर आर्थिक दबाव डालकर उन्हें अपना आक्रमण रोकने के लिए मजबूर करना है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समृद्धि यात्रा के दौरान अररिया जिले को दी 546 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात

पटना, 11 मार्च। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज समृद्धि यात्रा के क्रम में अररिया जिले में विभिन्न योजनाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी ली और कार्य तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने अररिया के नये पुलिस केंद्र स्थित अररिया पुलिस लाइन में आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का विद्युतीकरण सहित निर्माण कार्य का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। साथ ही यहां आयोजित कार्यक्रम स्थल से रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर अररिया जिले के लिए 157 करोड़ रुपये की

लागत से 60 योजनाओं का उद्घाटन, 331 करोड़ रुपये की लागत से 6 योजनाओं का शिलान्यास एवं 58 करोड़ रुपये की लागत से 2 योजनाओं का कार्यारंभ किया। मुख्यमंत्री ने अररिया जिला के अंतर्गत प्रगति यात्रा से संबंधित विभिन्न योजनाओं की प्रगति के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। इसके अंतर्गत अररिया-कुर्सी काटा-कुवाड़ी सिकटी पथ का निर्माण कार्य, बैरगाछी से बंगला कोल जानेवाले पथ के 17वें कि०मी० में उच्चस्तरीय आरसीसी पुल एवं पहुंच पथ का निर्माण कार्य, फारबिसगंज-बथनाहा स्टेशन के बीच कटिहार-जोगबनी रेलखंड पर सुभाष चौक के पास फ्लाईओवर का निर्माण कार्य आदि शामिल है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इन योजनाओं को तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया।इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने कोसी दुग्ध परियोजना परिसर में दुग्ध शीतक केंद्र अररिया का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने वहां आयोजित कार्यक्रम स्थल से विभिन्न विकासात्मक योजनाओं के लगे स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कोसी दुग्ध परियोजना के अंतर्गत अररिया सेंटर के सुदृढ़ीकरण एवं नवीनीकरण योजना के तहत दुग्ध आपूर्तिकताओं एवं लाभुकों से संवाद किया। सहकारी सहयोग समितियों के लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद देते हुए कहा कि हमलोग खासकर महिलाओं को इसका काफी लाभ हो रहा है। इस समिति से जुड़े लोगों को भी लाभ हो रहा है। इससे दुग्ध उत्पादकों को भी फायदा मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने वहां लगाए गए सुधा के विभिन्न उत्पादों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कृषि यांत्रिकीकरण मेला का फीता काटकर शुभारंभ किया। साथ ही वहां आशा कार्यकताओं, आंगनबाड़ी सेविकाओं, वृद्धजन पेंशन योजना के लाभार्थियों, साइकिल योजना की लाभुक छात्राओं, अक्षर आंचल योजना के लाभुकों एवं स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के लाभार्थियों से संवाद किया। लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपने सबका कल्याण किया है। आपकी योजनाओं से हमसब लाभान्वित हुए हैं और जीवन में आगे बढ़ रहे हैं। वहां उपस्थित जीविका दीदियों ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपने हम सभी महिलाओं को पहचान दिलाई है। आपने हम सभी महिलाओं को संबल प्रदान किया है।

चंद्रबाबू नायडू सरकार द्वारा पेश किया गया बजट भ्रामक आंकड़ों और झूठे दावों से भरा हैः जगन मोहन रेड्डी

आंधप्रदेश, 11 मार्च। वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी ने बुधवार को कहा कि चंद्रबाबू नायडू सरकार द्वारा पेश किया गया बजट भ्रामक आंकड़ों और झूठे दावों से भरा है। जगन ने कहा कि चंद्रबाबू के सत्ता में आने के बाद से राज्य का कर्ज लगातार बढ़ रहा है। हमारे पांच साल के शासनकाल में कुल कर्ज लगभग 33 लाख करोड़ रुपये था। लेकिन चंद्रबाबू के शासन के सिर्फ दो वर्षों में ही कर्ज 32 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

जगन ने कहा कि जब भी चंद्रबाबू सत्ता में आते हैं, राजस्व घट जाता है और कर्ज बढ़ जाता है। इसका कारण स्पष्ट है - व्यापक भ्रष्टाचार और संसाधनों का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग। सरकारी जमीनें निजी रियल एस्टेट कंपनियों को कौड़ियों के भाव में सौंपी जा रही हैं। विशाखापत्तनम में हजारों करोड़

रुपये की जमीनें रिश्तेदारों और सहयोगियों को आवंटित की जा रही हैं। जगन रेड्डी ने टीडीपी पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार खजाने में न्यूनतम शेष राशि भी नहीं रख पा रही है।

उन्होंने आगे कहा कि विधानसभा सत्र जनता की समस्याओं पर चर्चा करने के बजाय नाटक, नुक्कड़ नाटक और आत्म-प्रशंसा में सिमट गए। हमने सुपर सिक्स योजनाओं के वादों के बारे में सवाल पूछे, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। महिलाओं से किए गए वादों का क्या हुआ?

ईरान का यूएन को सख्त संदेशः अमेरिकी-इजराइली हमले रुकवाओ, चुप्पी पड़ेगी दुनिया पर भारी

ईरान। मिडिल ईस्ट में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच Seyed Abbas Araghchi ने United Nations से अमेरिका और इजरायल के हमलों की खुलकर निंदा करने की मांग की है। ईरान के विदेश मंत्रालय के अनुसार अराघची ने यह बात Antonio Guterres, महासचिव United Nations, से फोन पर हुई बातचीत के दौरान कही। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि क्षेत्र में जारी हमलों के दौरान स्कूल, अस्पताल, रिहायशी इलाके, ऐतिहासिक इमारतें जैसी नागरिक जगहों को निशाना बनाया गया है।उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवीय कानून के सिद्धांतों का खुला उल्लंघन बताया। अराघची ने कहा कि Iran को इस थोपे गए युद्ध में आत्मरक्षा का अधिकार है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered

- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

फूहड़ कंटेंट, सोशल मीडिया और संस्कृतिः जिम्मेदारी किसकी?

- डॉ. प्रियंका सौरभ

-प्रियंका सौरभ

डिजिटल युग ने हमारे समाज की संरचना, सोच और अभिव्यक्ति के तरीकों को गहराई से बदल दिया है। आज मोबाइल फोन और इंटरनेट के माध्यम से कोई भी व्यक्ति कुछ ही सेकंड में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने अभिव्यक्ति को लोकतांत्रिक बनाया है—जहां पहले मनोरंजन और प्रसिद्धि के अवसर सीमित लोगों तक होते थे, वहीं अब हर व्यक्ति के पास अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच है। लेकिन इस नए अवसर के साथ कई नई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। इन चुनौतियों में सबसे बड़ी बहस उस कंटेंट को लेकर है जिसे समाज का एक वर्ग फूहड़ता या अशोभनीय मानता है। पिछले कुछ वर्षों में सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो तेजी से वायरल होते देखे गए हैं जिनमें डांस, अभिनय या मनोरंजन के नाम पर ऐसे हाव-भाव और प्रस्तुति दिखाई जाती है जिन्हें कई लोग सांस्कृतिक मूल्यों के विरुद्ध मानते हैं। इन वीडियो को लाखों व्यूज, लाइक्स और शेयर मिलते हैं, जिससे वे और अधिक लोगों तक पहुंचते हैं। लोकप्रियता की इस दौड़ में कई बार कंटेंट की गुणवत्ता और सामाजिक जिम्मेदारी पीछे छूट जाती है।

समाज के एक बड़े वर्ग का मानना है कि इस प्रकार के कंटेंट का प्रभाव विशेष रूप से युवाओं और किशोरों पर पड़ता है। जब वे देखते हैं कि कुछ लोग केवल कुछ सेकंड के वीडियो बनाकर अत्यधिक प्रसिद्धि और आर्थिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं, तो उनके मन में भी वैसा ही करने की इच्छा पैदा हो सकती है। कई बार यह प्रेरणा रचनात्मक दिशा में जाती है—जैसे संगीत, कला, नृत्य या शिक्षा से जुड़े कंटेंट बनाना। लेकिन कई मामलों में यह प्रेरणा केवल वायरल होने की दौड़ में बदल जाती है, जहां ध्यान आकर्षित करने के लिए किसी भी प्रकार का तरीका अपनाया जाता है।

यह भी देखा गया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का एल्गोरिदम बहुत प्रभावी होता है। जो कंटेंट अधिक देखा और साझा किया जाता है, वही तेजी से फैलता है। ऐसे में यदि दर्शक बार-बार उसी प्रकार के वीडियो देखते हैं जिन्हें वे स्वयं फूहड़ कहते हैं, तो अनजाने में वे उसी प्रवृत्ति को बढ़ावा भी दे रहे होते हैं। इसलिए केवल कंटेंट बनाने वालों को दोष देना इस समस्या का पूरा समाधान नहीं है। दर्शक भी इस डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

दूसरी ओर, यह तर्क भी सामने आता है कि कला और मनोरंजन की अपनी स्वतंत्रता होती है। नृत्य, अभिनय और अभिव्यक्ति के कई रूप होते हैं, और हर समाज उन्हें अलग-अलग तरीके से देखता है। जो एक व्यक्ति को अनुचित लगता है, वही दूसरे के लिए केवल मनोरंजन या कला का एक रूप हो सकता है। इसी कारण इस विषय पर समाज में तीखी बहस देखने को मिलती है। कुछ लोग इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा मानते हैं, जबकि अन्य इसे सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों के क्षरण के रूप में देखते हैं। यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है—क्या किसी भी प्रकार की लोकप्रियता को सफलता का मानक माना जाना चाहिए? सोशल मीडिया ने प्रसिद्धि प्राप्त करने की प्रक्रिया को बहुत तेज कर दिया है। पहले किसी कलाकार को पहचान पाने में वर्षों लग जाते थे; आज एक वायरल वीडियो किसी को रातों-रात स्टार बना सकता है। लेकिन यह त्वरित प्रसिद्धि कई बार स्थायी नहीं होती और इसके सामाजिक प्रभाव भी जटिल हो सकते हैं।

कई युवा इस भ्रम में पड़ सकते हैं कि केवल विवादास्पद या ध्यान आकर्षित करने वाला कंटेंट ही सफलता का रास्ता है। परिणामस्वरूप वे अपनी प्रतिभा को विकसित करने की बजाय तात्कालिक लोकप्रियता के पीछे भागने लगते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल व्यक्तिगत विकास को प्रभावित करती है, बल्कि समाज में मनोरंजन की गुणवत्ता पर भी असर डालती है।

संस्कृति की बात करें तो यह किसी एक व्यक्ति या एक पीढ़ी की देन नहीं होती। संस्कृति सदियों के अनुभव, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों से बनती है। इसमें परिवर्तन भी होता रहता है—क्योंकि हर युग अपने साथ नए विचार और नए रूप लेकर आता है। लेकिन परिवर्तन और अतिरेक के बीच संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। जब मनोरंजन का उद्देश्य केवल सनसनी या ध्यान आकर्षित करना बन जाए, तो समाज में यह चिंता स्वाभाविक है कि कहीं हम अपने मूल्यों से दूर तो नहीं जा रहे।

इस संदर्भ में परिवार, शिक्षा और समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। बच्चों और युवाओं को यह समझाना जरूरी है कि इंटरनेट पर दिखने वाली हर चीज अनुकरण के योग्य नहीं होती। डिजिटल साक्षरता—यानी यह समझ कि ऑनलाइन दुनिया कैसे काम करती है—आज के समय की बड़ी आवश्यकता बन गई है। यदि युवा यह समझ पाएँ कि एल्गोरिदम कैसे काम करते हैं, व्यूज और लाइक्स कैसे बढ़ते हैं, और किस प्रकार का कंटेंट उन्हें प्रभावित कर सकता है, तो वे अधिक जागरूक निर्णय ले सकेंगे। कंटेंट क्रिएटर्स की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। जो लोग लाखों दर्शकों तक पहुंच रखते हैं, उनके पास समाज को प्रभावित करने की शक्ति भी होती है। यदि वे अपनी लोकप्रियता का उपयोग सकारात्मक संदेश, रचनात्मक कला और प्रेरणादायक सामग्री के लिए करें, तो वही सोशल मीडिया समाज के लिए एक सशक्त मंच बन सकता है। कई उदाहरण ऐसे भी हैं जहां क्रिएटर्स ने शिक्षा, लोक संस्कृति, भाषा और परंपराओं को बढ़ावा देने का काम किया है और लाखों लोगों को प्रभावित किया है।

इसलिए समाधान केवल विरोध या बहिष्कार में नहीं, बल्कि संतुलित दृष्टिकोण में है। समाज को यह तय करना होगा कि वह किस प्रकार के कंटेंट को बढ़ावा देना चाहता है। यदि दर्शक रचनात्मक, ज्ञानवर्धक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध सामग्री को अधिक समर्थन देंगे, तो स्वाभाविक रूप से वही कंटेंट अधिक दिखाई देगा। सोशल मीडिया के एल्गोरिदम अंततः दर्शकों की पसंद पर ही निर्भर करते हैं।

इसके साथ ही प्लेटफॉर्म कंपनियों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे ऐसे मानक और नीतियाँ विकसित करें जो समाज के व्यापक हितों का ध्यान रखें। कई प्लेटफॉर्म पहले से ही समुदाय दिशानिर्देश (कम्युनिटी गाइडलाइन्स) लागू करते हैं, लेकिन उनकी प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करती है कि उन्हें कितनी गंभीरता से लागू किया जाता है।

अंततः यह समझना जरूरी है कि संस्कृति की रक्षा केवल नारों या हैशटैग से नहीं होती। संस्कृति तब मजबूत होती है जब समाज अपने व्यवहार, चुनाव और प्राथमिकताओं के माध्यम से उसे जीवित रखता है। यदि हम वास्तव में अपनी सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो हमें सकारात्मक विकल्पों को बढ़ावा देना होगा—चाहे वह लोक कला हो, पारंपरिक संगीत हो, साहित्य हो या आधुनिक लेकिन संवेदनशील और जिम्मेदार मनोरंजन। सोशल मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम है। यह समाज को जोड़ भी सकता है और भटका भी सकता है। फर्क केवल इस बात से पड़ता है कि हम इसे किस तरह उपयोग करते हैं। यदि क्रिएटर्स जिम्मेदारी के साथ कंटेंट बनाएँ और दर्शक विवेकपूर्ण तरीके से उसे चुनें, तो यही प्लेटफॉर्म संस्कृति के संरक्षण और रचनात्मक अभिव्यक्ति का सबसे बड़ा मंच बन सकता है। आखिरकार, संस्कृति किसी एक व्यक्ति, एक वीडियो या एक ट्रेंड से न तो बनती है और न ही खत्म होती है। यह समाज की सामूहिक चेतना और निर्णयों से आकार लेती है। इसलिए यह जिम्मेदारी हम सबकी है—क्रिएटर की भी, दर्शक की भी और समाज की भी।

खरमास की छाया में आएगा चैत्र नवरात्र, 14 से बदलेगी सूर्य की चाल

-सुरेश गांधी

भारतीय सनातन परंपरा में समय की गणना केवल कैलेंडर के पन्नों से नहीं होती, बल्कि ग्रहों-नक्षत्रों की गति और प्रकृति की लय से निर्धारित होती है। जब सूर्य अपनी राशि बदलते हैं तो उसके साथ धार्मिक जीवन की दिशा भी बदल जाती है। इस साल भी ऐसा ही एक महत्वपूर्ण ज्योतिषीय परिवर्तन होने जा रहा है। दरअसल 14 मार्च को सूर्य देव कुंभ राशि को छोड़कर मीन राशि में प्रवेश करेंगे। इसी के साथ खरमास की शुरूआत हो जाएगी। यह अवधि लगभग एक माह तक प्रभावी रहेगी और 14 अप्रैल को सूर्य के मेष राशि में प्रवेश के साथ इसका समापन होगा। इस वर्ष की विशेषता यह है कि खरमास की अवधि के बीच ही चैत्र नवरात्र का पावन पर्व आएगा। इसलिए एक ओर जहां यह समय शक्ति उपासना के लिए अत्यंत शुभ माना जाएगा, वहीं दूसरी ओर विवाह जैसे बड़े मांगलिक संस्कारों पर अस्थायी विराम भी रहेगा

सनातन ज्योतिष के अनुसार जब सूर्य देव अपने गुरुदेव बृहस्पति की राशियों, धनु या मीनकुंमें प्रवेश करते हैं, तब उस अवधि को खरमास कहा जाता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस वर्ष सूर्य देव 14 मार्च की रात या 15 मार्च को भोर लगभग 3:07 बजे मीन राशि में प्रवेश करेंगे। इसी के साथ खरमास का आरंभ हो जाएगा। यह अवधि 14 अप्रैल तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान विवाह, गृह प्रवेश और अन्य बड़े मांगलिक कार्य सामान्यतः नहीं किए जाते। मान्यता है कि इस समय सूर्य देव अपने गुरु बृहस्पति के घर में अतिथि के रूप में रहते हैं और सांसारिक कार्यों से विरत होकर आध्यात्मिक चिंतन में लीन रहते हैं। इसी कारण विवाह, गृह निर्माण या नए जीवन की शुरूआत जैसे कार्यों को इस समय टालना उचित माना जाता है।

हालांकि धार्मिक अनुष्ठान, व्रत, जप-तप और दान-पुण्य के लिए यह समय अत्यंत पुण्यकारी माना जाता है। खास यह है कि इस वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा 19 मार्च को पड़ रही है। इसी दिन से चैत्र नवरात्र का आरंभ होगा और यह पर्व 27 मार्च तक चलेगा। चैत्र नवरात्र का महत्व केवल देवी आराधना तक सीमित नहीं है। यह हिंदू नववर्ष की शुरूआत का भी प्रतीक है। विक्रम संवत का नया वर्ष भी इसी दिन से आरंभ माना जाता है। वसंत ऋतु के इस समय में प्रकृति भी नवजीवन से भर उठती है। खेतों में नई फसलें लहलहाती हैं और पेड़ों पर नई कोपलें फूटती हैं। इसलिए इसे नवसृजन और नवचेतना का पर्व भी कहा जाता है।

चैत्र नवरात्र केवल पूजा और व्रत का पर्व नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और आत्मजागरण का अवसर भी है। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि जीवन में शक्ति केवल बाहरी नहीं होती, बल्कि वह हमारे भीतर भी विद्यमान है। जब मनुष्य अपने भीतर की नकारात्मकता को त्यागकर सकारात्मकता को अपनाता है, तभी वह सच्चे अर्थों में शक्ति की आराधना करता है। इसी संदेश के साथ इस वर्ष का चैत्र नवरात्र खरमास की आध्यात्मिक छाया में नवचेतना और नवसंकल्प का संदेश लेकर आएगा।

नवरात्र में विवाह नहीं, लेकिन अन्य मांगलिक कार्य संभव

इस बार नवरात्र के दौरान विवाह के लिए शुभ लग्न नहीं बनेंगे, क्योंकि यह पूरा समय खरमास की अवधि में रहेगा। इस कारण शादियां नहीं होंगी, लेकिन अन्य कई मांगलिक कार्य किए जा सकते हैं। इनमें, यज्ञोपवीत संस्कार, मुंडन संस्कार, अन्नप्राशन, नए प्रतिष्ठान या दुकान का उद्घाटन,

धार्मिक अनुष्ठान और यज्ञ जैसे कार्य शामिल हैं। इसके अलावा गया तीर्थ में श्राद्ध कर्म पर खरमास का कोई प्रतिबंध नहीं माना जाता, इसलिए वहां पितृ कर्म सामान्य रूप से किए जा सकते हैं।

देवी आराधना का नौ दिवसीय पर्व

चैत्र नवरात्र के नौ दिनों में देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। पहले दिन घटस्थापना के साथ पूजा शुरू होती है और भक्त नौ दिनों तक व्रत रखकर दुर्गा सप्तशती का पाठ करते हैं। अंतिम दिन कन्या पूजन के साथ नवरात्र का समापन होता है। देवी के नौ रूपों की पूजा इस क्रम में की जाती है, मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कुष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी, मां सिद्धिदात्री. इन नौ दिनों में साधना करने से मानसिक शक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होने की मान्यता है।

इस बार घोड़ा है मां दुर्गा की सवारी

नवरात्र में देवी की सवारी का निर्धारण नवरात्र के पहले दिन के वार से किया जाता है। जब नवरात्र गुरुवार से शुरू होते हैं तो देवी की सवारी घोड़ा मानी जाती है। इस वर्ष चैत्र नवरात्र गुरुवार से आरंभ हो रहे हैं, इसलिए इस वर्ष मां दुर्गा की सवारी घोड़ा मानी जा रही है। शास्त्रीय मान्यता के अनुसार घोड़े पर देवी का आगमन तेज परिवर्तन और सामाजिक हलचल का संकेत माना जाता है।

14 अप्रैल के बाद खुलेंगे शुभ लग्न

खरमास की समाप्ति 14 अप्रैल को सूर्य के मेष राशि में प्रवेश के साथ होगी। मेष राशि सूर्य की उच्च राशि मानी जाती है। इसके साथ ही विवाह और अन्य मांगलिक कार्यों के लिए शुभ मुहूर्त फिर से शुरू हो जाएंगे। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार 14 अप्रैल से 20 जुलाई तक लगभग तीन माह से अधिक समय तक विवाह और अन्य संस्कारों के लिए पर्याप्त शुभ लग्न उपलब्ध रहेंगे।

अप्रैल, मई और जून में सबसे अधिक लग्न

पंचांग के अनुसार इस वर्ष विवाह के लिए सबसे अधिक शुभ तिथियां अप्रैल, मई और जून में मिलेंगी।

मार्च में 2, 3, 4, 8, 9, 11 और 12 को विवाह के मुहूर्त थे।

अप्रैल में 15, 20, 21, 25, 26, 27, 28 और 29 को शुभ लग्न मिलेंगे।

मई में 1, 3, 5, 6, 7, 8, 13 और 14 को विवाह हो सकेंगे।

जून में 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27 और 29 को शुभ मुहूर्त रहेंगे।

जुलाई में 1, 6, 7, 11 और 12 को विवाह संभव होंगे।

25 जुलाई से शुरू होगा चातुर्मास

इन शुभ मुहूर्तों का क्रम लगभग तीन माह तक चलेगा। इसके बाद 25 जुलाई को देवशयनी एकादशी के साथ चातुर्मास का आरंभ होगा। इस दिन से भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं और चार महीनों तक विवाह और अन्य मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाता है। चातुर्मास की यह अवधि 20 नवंबर को देवोत्थान एकादशी तक चलेगी। इसके बाद फिर से विवाह और अन्य संस्कार शुरू होंगे।

नवरात्र शुभ मुहूर्तः पंचांग गणना के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा : 19 मार्च को है. इसी दिन हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2083 का आरंभ माना जाएगा. पहले दिन घटस्थापना और मां शैलपुत्री की पूजा का विधान है। यह दिन भारतीय संस्कृति में सृष्टि के नवआरंभ का प्रतीक माना जाता है। पुराणों के अनुसार इसी तिथि को ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना प्रारंभ की थी। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस बार घटस्थापना के दो विशेष शुभ मुहूर्त बन रहे हैं :- प्रातः मुहूर्त : सुबह 6:02 से 7:43 बजे तक, अभिजीत मुहूर्त : दोपहर 12:05 से 12:53 बजे तक. इन समयों में कलश स्थापना करके अखंड ज्योति प्रज्वलित करना अत्यंत शुभ माना गया है। खास यह है कि इस बार ग्रहों की स्थिति भी विशेष मानी जा रही है। सूर्य मीन राशि में रहेंगे, जो आध्यात्मिक ऊर्जा का संकेत है। बृहस्पति की शुभ दृष्टि धर्म और ज्ञान की वृद्धि का संकेत देती है। चंद्रमा की प्रतिपदा से नवमी तक की यात्रा देवी उपासना के लिए शुभ मानी जाती है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार यह योग आध्यात्मिक साधना, मंत्र-जप और शक्ति आराधना के लिए अत्यंत अनुकूल माना जा रहा है।

कांशीराम की विरासत पर सभी दलों की नजर, यूपी की राजनीति बदलने की होड़

-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में कई प्रतीक ऐसे रहे हैं जिनकी विरासत समय-समय पर नई सियासी व्याख्या के साथ सामने आती है। बहुजन आंदोलन के प्रणेता कांशीराम भी ऐसे ही नेता हैं। 15 मार्च को उनकी जयंती हर साल बसपा मनाती रही है, लेकिन इस बार तस्वीर कुछ अलग है। कांग्रेस से लेकर समाजवादी पार्टी और बीजेपी तक, लगभग सभी दल कांशीराम की राजनीतिक विरासत को अपने तरीके से याद कर रहे हैं। लखनऊ से दिल्ली तक कार्यक्रमों की श्रृंखला बन रही है, बहुजन संवाद की बातें हो रही हैं और पीडीए दिवस जैसे नए राजनीतिक नारे सामने आ रहे हैं। यह सब महज संयोग नहीं है, बल्कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले बदलते सामाजिक समीकरणों का संकेत भी है। दिलचस्प यह है कि कांशीराम की राजनीति का मूल आधार कांग्रेस विरोध से ही बना था। 1980 और 1990 के दशक में उन्होंने जिस बहुजन राजनीति की नींव रखी, उसने कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में लगभग हाशिए पर पहुंचा दिया था। लेकिन अब वही कांग्रेस उनकी जयंती को परिवर्तन दिवस के रूप में मना रही है। 13 मार्च को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होने वाले कार्यक्रम में राहुल गांधी की मौजूदगी और बहुजन संवाद की योजना इसी कोशिश का हिस्सा है। कांग्रेस का तर्क है कि कांशीराम को किसी एक पार्टी के नेता के रूप में सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि उन्हें सामाजिक न्याय की लड़ाई के बड़े प्रतीक के रूप में समझना चाहिए। राहुल गांधी पिछले कुछ समय से सामाजिक न्याय, जातीय जनगणना और हिस्सेदारी की राजनीति को जोर-शोर से उठा रहे हैं। कांशीराम के उस पुराने नारे जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी को कांग्रेस आज अपने राजनीतिक तर्क के रूप में सामने रख रही है।

समाजवादी पार्टी की रणनीति भी कम दिलचस्प नहीं है। अखिलेश यादव ने कांशीराम की जयंती को पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया है। यह सिर्फ प्रतीकात्मक आयोजन नहीं है, बल्कि उस सामाजिक समीकरण को मजबूत करने की कोशिश है जो 2024 के लोकसभा चुनाव में आंशिक रूप से दिखाई दिया था। अखिलेश यादव को यह एहसास है कि सिर्फ यादव-मुस्लिम वोटों के सहारे बीजेपी को चुनौती देना मुश्किल है। इसलिए पीडीए का फामूर्ला दरअसल उस बड़े सामाजिक गठबंधन की तलाश है जिसमें दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक एक साझा राजनीतिक मंच पर आएं। कांशीराम की जयंती को इस रणनीति से जोड़ना इसी सोच का हिस्सा है, क्योंकि बहुजन राजनीति की अवधारणा में यही सामाजिक वर्ग सबसे अहम रहे हैं।बीजेपी भी इस पूरी बहस से अलग नहीं है। पार्टी ने दलित महापुरुषों की जयंती और पुण्यतिथि मनाने के लिए एक कैलेंडर तैयार किया है, जिसमें कांशीराम का नाम भी शामिल है। योगी सरकार के मंत्री असीम अरुण के नेतृत्व में दलित समाज से संवाद बढ़ाने की कोशिशें की जा रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में बीजेपी ने दलित समुदाय के बीच अपनी पैठ मजबूत करने के लिए कई प्रतीकात्मक और सामाजिक कार्यक्रम किए हैं। संत रविदास से लेकर बाबा साहेब आंबेडकर तक, दलित प्रतीकों को पार्टी अपने राजनीतिक विमर्श में शामिल कर चुकी है। ऐसे में कांशीराम का नाम भी इस सूची में जुड़ना स्वाभाविक माना जा रहा है। बीजेपी की रणनीति साफ है दलित समाज को यह संदेश देना कि उसकी राजनीति सिर्फ एक पार्टी की बपौती नहीं है।दरअसल, कांशीराम की विरासत को लेकर अचानक बढ़ी यह दिलचस्पी उत्तर प्रदेश की बदलती राजनीति से जुड़ी है। राज्य में दलित मतदाता लगभग 21 प्रतिशत हैं और अगर अतिपिछड़े वर्ग को जोड़ दिया जाए तो यह संख्या 50 प्रतिशत के करीब पहुंच जाती है। कांशीराम ने इन्हीं वर्गों को राजनीतिक ताकत के रूप में संगठित करने का काम किया था। बसपा के उदय के साथ दलित राजनीति को पहली बार ऐसा मंच मिला जिसने सत्ता तक पहुंचने का रास्ता बनाया। मायावती चार बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनीं और बहुजन राजनीति का एक नया अध्याय लिखा गया।

लेकिन पिछले कुछ चुनावों में बसपा का जनाधार लगातार कमजोर होता गया है। 2022 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन बेहद सीमित रहा। यही वह राजनीतिक खालीपन है जिसे भरने के लिए दूसरी पार्टियां कोशिश कर रही हैं। सपा को लगता है कि दलित मतदाता अब नए विकल्प की तलाश में हैं और पीडीए फामूर्ले के जरिए उन्हें अपने साथ जोड़ा जा सकता है। कांग्रेस भी इसी संभावना को देख रही है और सामाजिक न्याय की नई बहस के जरिए दलित-ओबीसी वर्गों से संवाद बढ़ाना चाहती है। बीजेपी के सामने चुनौती थोड़ी अलग है। पार्टी ने 2014 के बाद से दलित वोटों में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की थी, लेकिन 2024 के चुनाव में कई जगहों पर इस समर्थन में हल्की दरार दिखी। इसलिए बीजेपी भी सामाजिक इंजीनियरिंग के जरिए दलित और अतिपिछड़े वर्गों को अपने साथ बनाए रखने की रणनीति पर काम कर रही है। कांशीराम जैसे प्रतीकों को याद करना उसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है।असल सवाल यह है कि क्या कांशीराम की विरासत को सिर्फ राजनीतिक प्रतीक के रूप में इस्तेमाल करना ही काफी होगा? कांशीराम ने जिस बहुजन राजनीति की कल्पना की थी, उसका मूल उद्देश्य सत्ता में भागीदारी और सामाजिक सम्मान था। उन्होंने दलितों और वंचित वर्गों को यह एहसास कराया कि लोकतंत्र में संख्या भी ताकत होती है। उनकी राजनीति सिर्फ चुनाव जीतने की रणनीति नहीं थी, बल्कि सामाजिक चेतना का आंदोलन भी थी।

आज जब अलग-अलग पार्टियां उनकी जयंती मनाने की होड़ में हैं, तब यह भी देखना होगा कि उनकी मूल सोच को कितनी गंभीरता से अपनाया जाता है। क्या यह सिर्फ वोटों की गणित है या सामाजिक न्याय की वास्तविक चिंता भी है? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उत्तर प्रदेश की राजनीति में प्रतीकों का इस्तेमाल नया नहीं है। अक्सर नेता और दल किसी बड़े सामाजिक नायक की विरासत को अपने पक्ष में पेश करते रहे हैं।2027 का विधानसभा चुनाव अभी दूर है, लेकिन उसकी आहट अभी से सुनाई देने लगी है। सपा सत्ता में वापसी का सपना देख रही है, बीजेपी तीसरी बार सरकार बनाने की तैयारी में है और कांग्रेस खोए हुए जनाधार को फिर से हासिल करना चाहती है। ऐसे में कांशीराम की विरासत एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गई है।लेकिन अंतिम फैसला हमेशा मतदाता ही करता है। यह वही मतदाता है जिसे कांशीराम ने कभी कहा था कि सत्ता की चाबी उसके हाथ में है। अब देखना यह है कि 2027 की लड़ाई में यह चाबी किसके ताले को खोलती है और किसकी राजनीति को नया रास्ता दिखाती है।

साम्प्रदायिक सद्भाव का सन्देश देता पवित्र माह-ए-रमजान

- निर्मल रानी

पूरे विश्व में इन दिनों मुसलमानों की इबादत का पवित्र महीना 'रमजान ' पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया जा रहा है। इस बात से सभी भलीभांति परिचित हैं कि धार्मिक नियमों व रीति रिवाजों का अनुपालन करने वाले मुस्लिम समुदाय के लोग रमजान के पूरे महीने के दौरान दिन भर रोजा (व्रत) रखते हैं और सारा दिन खाना पानी कुछ भी ग्रहण नहीं करते। सूर्योदय से पूर्व सहरी खाकर सूर्यास्त के बाद इफ़्तारी कर रोजदार लोग अपना रोजा खोलते हैं। इस दौरान मुस्लिम समाज के लोग मस्जिदों या अपने अपने घरों में इबादत भी करते हैं। भारत में प्रत्येक वर्ष रमजान के दौरान हिन्दू, मुस्लिम और सिख समुदायों के बीच एकता की कई हृदयस्पर्शी व प्रेरणादायक मिसालें देखने को मिलती हैं। ऐसी मिसालें निश्चित रूप से हमारे देश के भाईचारे, आपसी सहयोग और मुहब्बत का प्रतीक हैं। कहीं हिन्दू तो कहीं सिख रोजा इफ़्तार करते हैं। तो कहीं मंदिर में इफ़्तारी कर मुस्लिम भाइयों को कोई पंडित जी रोजा खुलवाते हैं। कहीं मुस्लिम लोग कुरआन की तरावीह (नमाज - इबादत) छोड़ कर पड़ोसी हिन्दू भाई के घर में लगी आग बुझाने पहुँच जाते हैं तो कहीं हिन्दू भाई बहन रोजा रखकर मुहब्बत का पैगाम देते हैं। जस्टिस मारकण्डे काटजू सहित देश के अनेक गैर मुस्लिम बुद्धिजीवी रमजान के दौरान प्रतीकात्मक रूप से रोजा रखकर साम्प्रदायिक सद्भाव का सन्देश देते हैं।

उदाहरण के तौर पर राजस्थान के बाड़मेर और जैसलमेर जैसे सीमावर्ती जिलों में एक हिन्दू परिवार के सदस्य माह -ए - रमजान में पांच रोजे रखते हैं। इसी तरह महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के एक गांव में 40-50 हिन्दू रोजा रखते हैं और नियमानुसार सहरी व इफ़्तार ग्रहण करते हैं। इन हिन्दू रोजदारों का कहना है कि यह उनके परिवारों की सदियों पुरानी परंपरा है। इसी तरह राजस्थान के सीकर जिले के कांवट गांव में हिन्दू-सिख परिवार मस्जिद में 15 दिनों तक इफ़्तार की दावत दे कर श्रद्धा,सद्भाव व प्रेम का सन्देश देते हैं। राजस्थान के कांवट में सिख परिवार भी हिन्दुओं संग मिलकर रोजदारों को भोजन कराते हैं। हिन्दू-मुस्लिम सौहार्द का ज्वलंत उदाहरण चेन्नई के मायलापुर स्थित सूफीदर मंदिर में देखने को मिलता है। यहाँ गत 40 वर्षों से रोजा रखने वालों के लिए इफ़्तार तैयार किया जाता है। यहाँ के पंडित और स्वयंसेवक मुस्लिम रोजदार भाइयों को इफ़्तार कराकर उन्हें रोजा खुलवाते हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के इटावा के अमर सिंह शाक्य जैसे हिन्दू 22 वर्षों से पूरे 30 रोजे रखते आ रहे हैं ।उधर उत्तर प्रदेश के रामपुर में ही इस बार मुस्लिमों ने रोजा रखते हुए अपने हिन्दू साथियों के साथ मिलकर होली भी मनाई। बेशक ऐसे आयोजन व गतिविधियां विभिन्न आस्थाओं के बीच आपसी विश्वास को बढ़ाती हैं।

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के कोतवाली नगर क्षेत्र के मोहल्ला फैसलाबाद में रात के समय एक हिन्दू व्यक्ति के घर में रखे गैस सिलेंडर से भीषण आग लग गयी। उस समय पास की एक मस्जिद में अनेक मुस्लिम भाई रोजा इफ़्तार के बाद तरावीह की नमाज अदा कर रहे थे। वे सभी पड़ोस से अचानक उठने वाले शोर शराबे से व्याकुल हुये। सभी मुस्लिम भाइयों ने नमाज तरावीह छोड़ दी और फौरन एक साथ मौके पर पहुंचकर न केवल आग बुझाने में मदद की बल्कि मस्जिद से पानी का भी पूरा उपयोग कर आग बुझाने में सफलता हासिल की। इन सबकी की मदद से ही आग पर काबू पा लिया गया और बड़ा हादसा टल गया। इस इंसानियत भरी मिसाल ने हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे को और मजबूत किया। जहाँ मुस्लिम भाइयों ने अपनी इस सेवा को ही सच्ची इबादत बताया वहीं हिन्दू पीड़ित परिवार ने भी यह कहा कि 'हम मुस्लिम भाइयों की इस इंसानियत को कभी नहीं भूलेंगे'।

देश के विभिन्न भागों से रमजान के दौरान इस वर्ष साम्प्रदायिक सद्भाव की और भी अनेक खबरें सुनने व देखने को मिलीं। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में सिख युवाओं ने लाल चौक पर रोजदारों को शरबत व पानी पिलाया तथा खजूर आदि वितरित कर उनके लिये इफ़्तार का प्रबंध किया। इसी तरह पंजाब के जीजी इंस्टीट्यूट में हिन्दू, मुस्लिम, सिख भाइयों ने एक साथ मिलकर रोजा इफ़्तार किया इसके बाद सभी ने सामूहिक रूप से नमाज अदा कर देश में अमन शांति व भाईचारे की दुआ माँगी। इन दिनों दिल्ली की रहने वाली नेहा भारती सोशल मीडिया के माध्यम से काफी लोकप्रिय हो रही हैं। वे पिछले 4 वर्षों से लगातार रमजान के पूरे महीने पुरानी दिल्ली की जामा मस्जिद के बाहर रोजदारों के लिए इफ़्तार का इंतजाम कर रही हैं। वह हर दिन लगभग लगभग 300 से 350 रोजदारों को इफ़्तार कराती हैं। नेहा भारती की श्रद्धा को इस बात से भी समझा जा सकता है कि वे इफ़्तार का सामान(पकवान) अपने घर पर अपने हाथों से ही तैयार करती हैं और शाम को उसे लेकर स्वयं जामा मस्जिद पहुंचती हैं और रोजदारों में वही इफ़्तारी पूरी श्रद्धा व सद्भाव के साथ वितरित करती हैं। नेहा के साथ उनके परिवार के सदस्य और अनेक मित्र भी इन सब में उनकी सहायता करते हैं। पूरे रमजान के दौरान वह रोजाना इफ़्तारी में अलग अलग तरह के पकवान बनाती हैं ताकि रोज इफ़्तार करने वालों को अलग अलग तरह के पकवान मिल सकें । नेहा के अनुसार यह पवित्र काम उन्हें खुशी व सुकून देता है और वह इसे लोगों के बीच भाईचारे और मोहब्बत का संदेश फैलाने का माध्यम मानती हैं। वह चाहती हैं कि अधिक से अधिक युवा ऐसे कामों से जुड़ें और समाज में सद्भाव का माहौल मजबूत हो।

हालाँकि देशभर में विभिन्न राजनैतिक दलों के नेता व तमाम प्रमुख लोग साम्प्रदायिक सद्भाव का प्रदर्शन करने के लिये रमजान में सांकेतिक रोजा इफ़्तार पार्टी का आयोजन कर मीडिया में सुर्खियां बटोर कर अपने दायित्व की इतिश्री समझते हैं। परन्तु हमारे देश में साम्प्रदायिक शक्तियों की सक्रियता के बावजूद देश भर में स्वभाविक रूप से एक दूसरे धर्मों का सम्मान करने उनके त्योहारों व रीति रिवाजों में शामिल होने का वह जज्बा मौजूद है जिसे कोई भी दल,सत्ता,संगठन या विचारधारा कभी भी समाप्त नहीं कर सकते। यही सद्भावपूर्ण वातावरण यह प्रमाणित करने के लिये काफी है कि यह देश राम-कृष्ण -रहीम - नानक - कबीर - व चिश्ती जैसे महान संतों व फकीरों का देश है और इसका स्वभाव हमेशा ऐसा ही रहेगा।

वित्तीय सशक्तिकरण और डिजिटल कौशल को धन संवाद से मिल रहा बढ़ावा

पटना। अर्ध-शहरी और ग्रामीण समुदायों में वित्तीय सशक्तिकरण और डिजिटल कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से धन संवाद की बिहार में शुरूआत की गई है। धन संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य गिग वर्कर्स, स्व-रोजगार से जुड़े लोगों और छोटे व्यवसायियों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से आत्मविश्वास के साथ जुड़ने और तेजी से विकसित हो रही डिजिटल अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल बिठाने के लिए सशक्त बनाना है। यह कार्यक्रम वित्त वर्ष 2024 में शुरू किया गया था और अब तक 495000 से अधिक लोगों को सीधे लाभान्वित कर चुका है। महिंद्रा फाइनेंस ने प्लान इंटरनेशनल (इंडिया चैप्टर) के साथ साझेदारी में अपने प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम धन संवाद को और मजबूत किया है, ताकि समुदायों में सार्थक परिवर्तन लाया जा सके। महिंद्रा फाइनेंस की जमीनी स्तर की विशेषज्ञता और प्लान इंटरनेशनल के परिणाम-उन्मुख प्रशिक्षण पर केंद्रित दृष्टिकोण का लाभ उठाते हुए यह साझेदारी वित्तीय साक्षरता की कमी को दूर करने के साथ-साथ दीर्घकालिक व्यवहारिक और डिजिटल सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देती है।

पत्नी के अवैध संबंध के शक में एक युवक की हत्या

चार घंटे के भीतर आरोपी गिरफ्तार

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण से सटे डायघर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां पत्नी के अवैध संबंध के शक में एक युवक की हत्या कर दी गई। आरोपी पति को शिल-डायघर पुलिस ने महज 4 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियार के साथ हिरासत में लिया है।

मृतक प्रकाश बिसा (40) मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला था और नवी मुंबई के महापे इलाके में स्थित साई प्रसाद स्नैक्स सेंटर में वेटर का काम करता था। उसका शव ठाणे जिले के डायघर क्षेत्र के पिंपरी गांव स्थित धान के खेत में मिला था।

बतादें की इस मामले में होटल मालिक जितेंद्र उत्तम पाटील की शिकायत पर शिल-डायघर पुलिस स्टेशन में अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया था।

जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी जानकारी और गुप्त सूचना के आधार पर रामराव दासु जाधव (39) निवासी शिलगांव, ठाणे को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे अपनी पत्नी और मृतक के बीच अवैध संबंध होने का शक था।

इसी शक के चलते आरोपी ने प्रकाश बिसा को शराब पीने के बहाने पिंपरी गांव के सर्वे नंबर 69 स्थित धान के खेत में बुलाया और वहां लोहे के हथौड़े से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की आगे की जांच जारी है। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त सुभाषचंद्र बुरसे, सहायक पुलिस आयुक्त प्रिया डमाले तथा वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक श्रीराम पौल के मार्गदर्शन में अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक गजेंद्र राऊत और उनकी टीम ने की।

एबी लाइटिंग एंड स्विचगियर लिमिटेड में उत्साह पूर्वक मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर स्थित एबी लाइटिंग एंड स्विचगियर लिमिटेड कंपनी में 8 मार्च 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन कंपनी प्रबंधन की ओर से किया गया, जिसमें महिला कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ठिणगी सामाजिक सेवा संस्था की अध्यक्षा डॉ. स्मिता सुधीर मालवदे उपस्थित रहीं। उनके हाथों दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कंपनी के एचआर मैनेजर हार्दिक पाटील ने डॉ. मालवदे का पुष्पगुच्छ व स्मृति-चिह्न देकर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी महिला कर्मचारियों का सम्मान किया गया। डॉ. स्मिता मालवदे ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा व क्षमता से नई पहचान बना रही हैं। उन्होंने महिलाओं से आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हुए समाज और कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने का आह्वान किया।इस अवसर पर कंपनी की महिला कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर कार्यक्रम का माहौल और भी आनंदमय बन गया। अंत में कंपनी प्रबंधन की ओर से उपस्थित सभी महिला कर्मचारियों व मान्यवरों के प्रति आभार जताया गया।

भिवंडी में टोरेंट पावर द्वारा दावत-ए-इफ्तार का आयोजन, सामाजिक एकता का दिया संदेश

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शहर और आसपास के क्षेत्रों में बिजली वितरण और बिल वसूली का कार्य करने वाली टोरेंट पावर कंपनी की ओर से हर वर्ष की तरह इस साल भी सामाजिक एकता और सामुदायिक संबंध मजबूत करने के उद्देश्य से भव्य दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मंगलवार (11 मार्च) को पाटीदार सभागृह, गोपाल नगर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोरेटे, शिवसेना शहर प्रमुख सुभाष माने, भारतीय जनता पार्टी शहर अध्यक्ष रवि सावंत, नगरसेवक राजेश शेट्टी, परेश चौघुले और पप्पू राका सहित कई पुलिस अधिकारी, विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी तथा शहर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान टोरेंट पावर की ओर से उपाध्यक्ष जीवन क्लर्क, वरिष्ठ अधिकारी जय पंड्या, सुधीर देशमुख और जनसंपर्क अधिकारी चेतन बदियानी ने सभी अतिथियों का गुलाब पुष्प देकर स्वागत किया। इस मौके पर सैयद मुफ़्ती मोहम्मद उजैफा कासमी ने उपस्थित लोगों को रमजान और इफ्तार के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम में शामिल मेहमानों ने टोरेंट पावर द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन शहर में सहयोग, शांति और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जनसंपर्क अधिकारी चेतन बदियानी ने जानकारी देते हुए बताया कि कंपनी ने अपना नया प्रतीक चिह्न भी प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के सामाजिक कार्यक्रमों से कंपनी और स्थानीय समुदाय के बीच संबंध और अधिक मजबूत होते हैं।

रामराज ग्रुप ने किया महिलाओं का सम्मान, आदिवासी समाज की माताएं-बहनें हुईं गौरवान्वित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 08 मार्च को पालघर जिले के वाणगांव स्थित सर्वदेश्वर ठाकुर स्मारक हॉल (प.) में सामाजिक संगठन रामराज ग्रुप द्वारा एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संगठन के संस्थापक कैप्टन सत्यम ठाकुर के नेतृत्व में किया गया, जिसमें आदिवासी समाज की प्रतिभाशाली माताओं और बहनों को पुष्पगुच्छ, शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि विश्व महिला दिवस महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और समान अवसरों के लिए आवाज बुलंद करने का दिन है। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति तभी संभव है जब महिलाएं सशक्त और आत्मनिर्भर बनें। जहां नारी की पूजा होती है, वहां सुख-समृद्धि का वास होता है। वक्ताओं ने महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि उनके अंदर करुणा के साथ अद्भुत शक्ति, साहस व आत्मविश्वास है, जिसके बल पर वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं। महिलाओं को शिक्षा, स्वावलंबन और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान भी किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित आदिवासी समाज की महिलाएं सम्मान पाकर गौरवान्वित महसूस किया। कार्यक्रम का सूत्र संचालन वर्षा वायदा (राणी दुर्गावती बचत गट झ चिखर) ने किया। अंत में रामराज ग्रुप के संस्थापक कैप्टन सत्यम ठाकुर ने सभी अतिथियों, उपस्थित महिलाओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। सामूहिक राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों के रूप में पुलिस उपाधीक्षक विकास नाईक, पूर्व विधायक आनंद भाई ठाकुर, सहायक पुलिस निरीक्षक वाणगांव तुषार पाचपुते, सरपंच सुनीता भावर, पूर्व उपसभापति, पंचायत समिति सदस्य भावना पवार (नागपुर), सुरेखा लेवे सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

घरेलू गैस के दाम पर रोक लगाने की माँग

मुंबई। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच छिड़े युद्ध का सीधा असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ा है, जिसकी चपेट में भारत भी है. मुंबई में गैस की किल्लत के कारण अनेक जगहों पर होटल बंद होने की कगार पर हैं।इसी का नतीजा है कि महाराष्ट्र ही नहीं पूरे देश में गैस सिलेंडरों के दाम आसमान छू रहे हैं. घरेलू उपभोक्ताओं को जहां 60 रुपए अधिक चुकाने पड़ रहे हैं, वहीं होटल और रेस्तरां मालिकों के लिए व्यावसायिक गैस सिलिंडर का संकट गहरा गया है. कई इलाकों में सिलेंडर ही नहीं मिल पा रहे हैं या फिर एजेंसियां सरकारी निदेशों का हवाला देकर आपूर्ति से इनकार कर रही हैं. लेकिन घरेलू एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में 60 रुपए की वृद्धि से आम गरीब आदमी की हालत त्रस्त हो गई है। जिसके कारण मुंबई कांग्रेस रोजगार स्वय रोजगार विभाग के महासचिव डॉ सत्तार खान ने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री से घरेलू गैस के दामों में हुई वृद्धि पर रोक लगाने की माँग की है। उन्होंने कहा कि बढ़ती हुई महंगाई से आम आदमी की कमर टूट चुकी है। वहीं दूसरी तरफ घरेलू गैस के दामों में हुई वृद्धि से गरीब वर्ग में हाहाकार मच गया है।

पत्रकार सचिन जगताप के पिता का स्वर्गवास, पालघर में शोक की लहर

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के पत्रकार सचिन जगताप के पिता नामदेव हरी जगताप (71) का मंगलवार (10 मार्च) को अल्प बीमारी के कारण निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से मुंबई के एक अस्पताल में उपचाराधीन थे। उनके निधन की खबर से पालघर जिले के पत्रकारों तथा सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। मूल रूप से कोल्हापुर के रहने वाले नामदेव हरी जगताप लंबे समय से पालघर में अपने परिवार के साथ रह रहे थे। उन्होंने अपने जीवन की शुरूआत मुंबई में गिरणी (मिल) कामगार के रूप में की थी। इसके बाद उन्होंने पालघर में दुग्ध व्यवसाय विभाग में नौकरी की। साथ ही उन्होंने राज्य परिवहन सेवा (एसटी महामंडल) में भी अपनी सेवाएं दीं। सेवानिवृत्ति के बाद वे शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे थे। कुछ दिनों पूर्व अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई थी, जिसके बाद उन्हें मुंबई के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान ही मंगलवार को उनका निधन हो गया। बुधवार को पालघर पूर्व स्थित स्मशानभूमि में उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान सामाजिक, राजनीतिक क्षेत्र के पदाधिकारी तथा जिले के अनेक पत्रकार उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। स्व. नामदेव हरी जगताप अपने पीछे पत्नी नानी, पुत्र नरेंद्र व पत्रकार सचिन जगताप, बहुएं तथा नाती-पोतों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गये हैं।

ग्राम पंचायतों में ठोस कचरा व जल प्रबंधन हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर के तत्वावधान में ग्राम पंचायतों में ठोस कचरा प्रबंधन व जल प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बुधवार को जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला जिला परिषद पालघर, सेंटर फॉर वॉटर एंड सैनेटेशन (सीईपीटी यूनिवर्सिटी) तथा एचडीएफसी बैंक के ह्यपरिवर्तनह्न उपक्रम के संयुक्त सहयोग से आयोजित की गई।

इस उपक्रम के अंतर्गत पालघर व डहाणू तहसील की चयनित 30 ग्राम पंचायतों में ठोस कचरा प्रबंधन व जल प्रबंधन से जुड़े उपक्रम प्रभावी रूप से लागू किये जा रहे हैं। इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन और ग्राम पंचायत स्तर पर बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के मार्गदर्शन में सरपंचों तथा ग्राम पंचायत अधिकारियों के लिए यह कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, पालघर पंचायत समिति के गटविकास अधिकारी संजय भोये, जिला जल एवं स्वच्छता कक्ष के लेखाधिकारी पांडुरंग कोरडे, सेंटर फॉर वॉटर एंड सैनेटेशन (सीईपीटी यूनिवर्सिटी) के ध्रुव भावसार, केंद्र प्रमुख असीम मंसूरी तथा उपासना यादव सहित जिला व तहसील स्तर के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे ने कहा कि गांवों को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर स्थापित स्वच्छता सुविधाओं का नियमित संचालन व रखरखाव अत्यंत आवश्यक है। ग्राम पंचायतों को इस दिशा में जिम्मेदारी के साथ कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस कचरा प्रबंधन एवं वर्षा जल संचयन से संबंधित मार्गदर्शिका पुस्तिका का भी विमोचन किया गया। कार्यशाला में ग्राम पंचायतों को आदर्श बनाने के लिए केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं के समन्वय से विकास करने पर विशेष मार्गदर्शन दिया गया। इसमें जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), प्रधानमंत्री आवास योजना, विकसित भारत अभियान, रोजगार गारंटी योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, माझी वसुंधरा अभियान तथा मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायतराज अभियान जैसी योजनाओं के क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। कार्यशाला में ठोस कचरा प्रबंधन, जल प्रबंधन, स्वच्छता सुविधाओं के रखरखाव और ग्राम पंचायतों के समग्र विकास के लिए योजनाओं के समन्वित नियोजन पर विस्तृत चर्चा की गई।

साथ ही उपस्थित सरपंचों व ग्राम पंचायत अधिकारियों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए विभिन्न सुझाव प्रस्तुत किये। इस दौरान जल व स्वच्छता विभाग के जिला एवं तहसील स्तर के अधिकारी और कर्मचारी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी मुंबई के अध्यक्ष अमित साटम को लोकमत महाराष्ट्रियन ऑफ द ईयर 2026 अवॉर्ड मिलने पर शुभकामनाएं दी जा रही है। इस मौके पर मनपा एम पश्चिम प्रभाग समिति की अध्यक्षा श्रीमती आशाताई सुभाष मराठे ने साटम से सदिच्छा भेट कर के उन्हें सम्मानित किया और अपनी शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर चर्मकार विकास संघ मुंबई के अध्यक्ष सुभाष मराठे मौजूद थे।

विश्व महिला दिवस पर मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। रोटरी क्लब ऑफ बॉम्बे फिल्मसिटी क्रमांक 3141 की ओर से विश्व महिला दिवस के दिन सांताक्रूज (पूर्व) के गाँवदेवी मैदान, गांव देवी वाकोला पाईप लाइन के प्रागंण में मुफ़्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन में जनरल चेकअप और जनरल दवाइयों के साथ फ्री डेंटल चेकअप, फ्री रैंडम शुगर , फ्री बीपी, फ्री सीबीसी (रिपोर्ट नेक्स्ट डे) कराई गईं। साथ ही पहले 100 मरीज के लिए नेत्र जांच के साथ जरूरतमंदों को मात्र 50 में चश्मा उपलब्ध कराया गया। आने वाले पहले 80 मरीजों को इसके साथ ही फ्री बीएमडी (बोन मिनिरल डेंसिटी) हड्डियों के परीक्षण की व्यवस्था भी रखी गई थी। इस चिकित्सा शिविर में प्रमुख चिकित्सक थे डॉ.सत्यजीत पटनायक (किडनी विशेषज्ञ एवं सर्जन), डॉ. आशिष कॅस्टलिनो (इ.एन.टी. सर्जन), डॉ.स्वपना डेनिज (डेंटल सर्जन), डॉ. सय्यद मुहम्मद् जिशान (चर्म रोग विशेषज्ञ), डॉ. निखिल बालाकृष्णन (नेत्र विशेषज्ञ), डॉ. पवित्रा बालाकृष्णन(नेत्र विशेषज्ञ), डॉ नयना बालाकृष्णन (स्त्री रोग विशेषज्ञ) और डॉ. अजय पांडेय (जनरल फिजीशियन)।

शिविर में करीब 350 मरीजों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण करवाया। आयोजन को सफल बनाने में रोटरी क्लब ऑफ बॉम्बे बांद्रा के अध्यक्ष रिटा. एड. त्रिवनकुमार करनानी के साथ रोटरी क्लब ऑफ बॉम्बे फिल्म सिटी के सदस्य भुवन कुमार, रमेश व्यास, रवि सावल और ऋतु बुगारा का विशेष योगदान रहा।

कॉलेज परिसर में नमाज पढ़ने के मामले को लेकर बोईसर पुलिस थाने में शिकायत, कार्रवाई की मांग

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर शहर (पू.) क्षेत्र अंतर्गत स्थित एक कॉलेज परिसर में नमाज अदा किये जाने के मामले को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इस संबंध में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल, पालघर जिला की ओर से बोईसर एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत देकर मामले की जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार संगठन की ओर से पुलिस निरीक्षक को दिए गये आवेदन में आरोप लगाया गया है कि बोईसर पूर्व स्थित थीम कॉलेज के परिसर में कुछ समय से नमाज अदा की जा रही है। शिकायत में कहा गया है कि कॉलेज परिसर में इस प्रकार की धार्मिक गतिविधियों से अन्य विद्यार्थियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है तथा इससे परिसर का शैक्षणिक वातावरण प्रभावित होने की आशंका है। शिकायत पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि कॉलेज में विभिन्न धर्मों के छात्र-छात्राएं शिक्षा प्राप्त करते हैं, इसलिए परिसर में किसी भी प्रकार की धार्मिक गतिविधि से विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

संगठन ने पुलिस प्रशासन से इस पूरे मामले की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही शिकायत में कहा गया है कि यदि समय रहते इस विषय पर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हो सकती है। संगठन ने प्रशासन से कॉलेज परिसर में शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने की अपील की है। वहीं बोईसर एमआईडीसी पुलिस स्टेशन ने शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई की जायेगी।

किफायती फूड ऐप टोइंग मुंबई में लॉन्च

मुंबई। किफायती फूड डिलीवरी ऐप टोइंग ने आज मुंबई में अपने लॉन्च की घोषणा की। पिछले 7 महीनों में टोइंग ने भारत के 18 शहरों में विस्तार किया है और यह पुणे, आगरा, वडोदरा, गुवाहाटी, नासिक, नागपुर, पटना, छत्रपति संभाजीनगर, भोपाल, दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद, चंडीगढ़ और अहमदाबाद में भी उपलब्ध है। टोइंग अपने ऐप पर खाने और पेय पदार्थों की सबसे कम कीमत का वादा करता है और यह गारंटी देता है कि ऐप पर मिलने वाली कीमतें रेस्टोरेंट के टेबल मेन्यू की कीमतों के बराबर या उससे कम होंगी। इसके अलावा किसी भी ऑर्डर पर कोई पैकेजिंग चार्ज या प्लेटफॉर्म फीस नहीं ली जाती। इससे टोइंग बाजार में उपलब्ध सबसे किफायती फूड डिलीवरी ऐप बन जाता है। उपयोगकर्ता 99 रुपये से कम में बिरयानी, बर्गर और बाउल जैसे कई तरह के व्यंजन ऑर्डर कर सकते हैं।

टोइंग को 2025 की दूसरी छमाही में पुणे में पहले शहर के रूप में लॉन्च किया गया था। अब यह मुंबई में भी लाइव हो गया है और शहर के कई प्रसिद्ध रेस्टोरेंट पहले से ही इस प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध हैं। टोइंग का किफायती और कम कीमत वाला मॉडल नौकरी करने वाले युवाओं और कॉलेज छात्रों के बीच काफी लोकप्रिय है, जिससे नए शहरों में इसका विस्तार तेजी से हो रहा है। रोजमर्रा के खर्च को ध्यान में रखते हुए टोइंग अपने उपयोगकताओं को बेहतर मूल्य और भरोसेमंद सेवा देने का प्रयास करता है। ऐप पर मुंबई के कई लोकप्रिय रेस्टोरेंट जैसे मेराकी, पंजाब डिपो, स्वीट कंट्री केक शॉप, बोरीवली बिरयानी सेंटर, सैंडविजा, थेपला हाउस, थियोब्रोमा, बर्गर किंग, फासोस, टैको बेल, वेंडीज, डब्बा गरम, चारकोल ईट्स - बिरयानी एंड बियॉन्ड, टिब्स फ्रेंकी, वाईबीएफसी, चीलिजा- इंडिया का पिज्जा, घोस्ट किचन्स, सड़क छाप, पीटुक, हाउस ऑफ बिरयान - बिरयानी, केप्सा एंड मोर, टी पोस्ट, माराकेश, रोल्स मैनिया -रोल्स, रैप्स एंड मोर और मैड मोमोज शामिल हैं। यहां उत्तर भारतीय व्यंजन जैसे छोले भटूरे, बिरयानी, नॉर्थ इंडियन डिश, चाइनीज, डेजर्ट और फास्ट फूड जैसे पिज्जा, बर्गर और मोमोज सहित कई तरह के भोजन विकल्प उपलब्ध हैं। इस विस्तार पर बात करते हुए, टोइंग के चीफ बिजनेस ऑफिसर श्री सिद्धार्थ भाकू ने कहा, टोइंग फूड ग्राहकों की एक नई श्रेणी तैयार कर रहा है, जो खासतौर पर जेन जेड, कॉलेज जाने वाले युवाओं और किफायती विकल्प तलाशने वाले ग्राहकों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। हम अपने ग्राहकों को सबसे कम कीमत की गारंटी देते हैं। हाल ही में हमने टोइंग को गुवाहाटी, नासिक, नागपुर जैसे प्रमुख शैक्षणिक केंद्रों और दिल्ली एनसीआर में लॉन्च किया है। यह विस्तार हमारे किफायती मॉडल की मजबूती और युवा उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। मुंबई में जेन जेड और कॉलेज छात्रों की बड़ी संख्या है, इसलिए यह टोइंग के लिए एक आदर्श शहर है। भारत भर में 20 लाख से अधिक डाउनलोड और 4.5 की शानदार रेटिंग के साथ टोइंग अब किफायती फूड डिलीवरी क्षेत्र में एक मजबूत विकल्प के रूप में उभरता हुआ दिखाई दे रहा है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

हत्या के प्रयास के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों के खिलाफ अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार 9 मार्च 2026 को गद्दोपुर निवासी मीना देवी ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि कुछ लोगों ने एकजुट होकर उनके परिवार पर ईंट-पत्थरों से हमला किया। साथ ही गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और उनके ट्रैक्टर, सीसीटीवी कैमरा व बिजली के केबल में तोड़फोड़ कर दी। इस मामले में पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। इसी क्रम में थाना गौराबादशाहपुर पुलिस टीम ने वांछित आरोपी बादल खरवार पुत्र प्रदीप खरवार और देवी प्रसाद राय पुत्र स्व. विश्वनाथ राय, निवासी गद्दोपुर को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी बादल खरवार के खिलाफ पहले से भी मारपीट और धमकी से जुड़े मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी की कार्रवाई उपनिरीक्षक रामलाल, हेड कांस्टेबल लल्लन राम और कांस्टेबल शशिकांत यादव की टीम द्वारा की गई।

जन आक्रोश रैली में महिलाओं का उमड़ा जनसैलाब, महिला हिंसा के खिलाफ बुलंद की आवाज

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। डाक बंगला पर महिलाओं की महापंचायत कार्यक्रम का आयोजन। राजातालाब अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में घरेलू हिंसा, लैंगिक भेदभाव और यौन उत्पीड़न के खिलाफ मंगलवार को हजारों ग्रामीण महिलाएं सड़कों पर उतर आईं। आक्रोशित महिलाओं ने उत्तर प्रदेश में शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की जोरदार मांग उठाई।घरेलू कामगार महिला स्वयं सहायता समूह, किशोरी संगठन, लोक समिति, दिहाड़ी मजदूर संगठन और आशा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महिला महापंचायत में आराजी लाइन और सेवापुरी ब्लॉक के करीब 80 गांवों से लगभग तीन हजार महिलाएं शामिल हुईं। महिलाओं ने ढोल-नगाड़ों, तख्तियों और बैनरों के साथ राजातालाब बाजार से तहसील तक जनआक्रोश रैली निकाली।हजारों महिलाओं के प्रदर्शन से जीटी रोड पर कुछ समय के लिए जाम की स्थिति बन गयी।महिलाओं और लड़कियों की हुंकार से पूरा तहसील परिसर गूंज उठा। रैली के दौरान महिलाओं ने ह्लचुप नहीं रहना है, हिंसा नहीं सहना है, महिला हिंसा बंद करो, छेड़खानी पर रोक लगाओ, शराब बेचना बंद करो, हर हाथ को काम दो, काम का पूरा दाम दो, भीख नहीं अधिकार चाहिए, जीने का सम्मान चाहिए तथा भेदभाव मिटाएंगे, नया समाज बनाएंगे जैसे नारे लगाए।तहसील पहुंचकर महिलाओं ने शराब बिक्री, महिला हिंसा, बाल विवाह और सामाजिक गैरबराबरी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया तथा राष्ट्रपति को संबोधित 13 सूत्रीय ज्ञापन उपजिलाधिकारी शांतुन कुमार सिनसिनवार को सौंपा।रैली के बाद सिंचाई विभाग के डाक बंगले में महिला हिंसा के खिलाफ महिला महा सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन लोक चेतना समिति की निदेशिका रंजू सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता जागृति राही, पूनम सिंह, तनुजा मिश्रा, ग्राम प्रधान राजेंद्र पटेल तथा लोक समिति के संयोजक नंदलाल मास्टर ने दीप प्रज्वलित कर किया।सभा को संबोधित करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता जागृति राही ने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग होना होगा और समाज में बराबरी के लिए उनकी राजनीतिक भागीदारी जरूरी है। सामाजिक कार्यकर्ता तनुजा मिश्रा ने कहा कि महिलाओं और लड़कियों को अपने अधिकारों और विभिन्न कानूनों की जानकारी होना आवश्यक है। लोक चेतना समिति की निदेशिका रंजू सिंह ने कहा कि आज हर गांव और शहर में महिलाओं और लड़कियों के साथ हिंसा, छेड़खानी और बलात्कार की घटनाएं बढ़ रही हैं। सरकार को ऐसे अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपनी सुरक्षा के लिए संगठित होकर आगे आना होगा।महिला संगठन की संयोजिका अनीता पटेल ने कहा कि गांवों में शराब की बढ़ती लत का खामियाजा महिलाओं को भुगतना पड़ रहा है। घरेलू हिंसा, उत्पीड़न और मारपीट जैसी घटनाओं के पीछे शराब एक बड़ी वजह है, इसलिए प्रदेश में शराबबंदी लागू की जानी चाहिए। कार्यक्रम का नेतृत्व नंदलाल मास्टर ने किया।संचालन आशा राय और सोनी व अध्यक्षता अनीता तथा धन्यवाद ज्ञापन मनीषा ने किया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम प्रधान अध्यक्ष मुकेश कुमार, ग्राम प्रधान संजय यादव,ग्राम प्रधान राजेंद्र पटेल, रंजू सिंह, अनीता पटेल, सरिता सोनी, रामप्रकाश मास्टर, आशा, मधुबाला, शबनम, पूनम, शर्मिला, मुकेश प्रधान, प्रेमा, चंद्रकला, ममता, कुसुम, पूजा, सितारा, सुमन, प्रीति, नीतू, सुषमा, सरोज, नंदलाल मास्टर, राजेश, अमित, पूनम सिंह, श्यामसुंदर, रामबचन, सुनील सहित बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रही।

आजमगढ़ : पूर्व सांसद संतोष सिंह बरी

17 वर्ष पुराने मामले में नहीं मिले पर्याप्त साक्ष्य

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। बिना अनुमति जुलूस निकालने के मामले में सुनवाई पूरी करने के बाद एमपी एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट के जज अनुपम त्रिपाठी ने पूर्व सांसद डॉक्टर संतोष कुमार सिंह को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में दोष मुक्त कर दिया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार 2009 के लोकसभा चुनाव के समय शहर में धारा 144 लागू थी। उस समय 30 मार्च को शहर के सिविल लाइन चौराहे पर दिन में लोकसभा प्रत्याशी डॉक्टर संतोष कुमार सिंह ने अपने 50 -60 समर्थकों के साथ जुलूस निकाला और नारेबाजी की। तत्कालीन शहर कोतवाल ने डॉ.संतोष सिंह तथा अन्य के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने जांच पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल किया। डॉ संतोष कुमार सिंह के अधिवक्ता राजेश कुमार सिंह पाराशर ने बताया कि अभियोजन पक्ष की तरफ से कुल चार गवाह न्यायालय में परीक्षित कराए गए। दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद पर्याप्त सबूत के अभाव में अदालत ने पूर्व सांसद डॉक्टर संतोष कुमार सिंह को दोषमुक्त कर दिया।

यातायात नियमों को लेकर सख्त कार्रवाई, 1044 वाहनों का चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर में यातायात नियमों के पालन और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में यातायात पुलिस और जनपद के सभी थानों की पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से चलाया गया। अभियान के दौरान जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थानों और संवेदनशील मार्गों पर सघन चेकिंग की गई। पुलिस टीम ने संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की गहन तलाशी ली तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाने, सीट बेल्ट का उपयोग न करने, तीन सवारी बैठाने और वैध दस्तावेजों के बिना वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए कुल 1044 वाहनों का चालान किया गया। पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात नियमों का पालन करें और कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

जफराबाद पुलिस ने चोरी के मामले में वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना पुलिस ने चोरी के मुकदमे में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की पीली धातु की चैन और एक अवैध चाकू भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ला के नेतृत्व में उपनिरीक्षक विजय प्रताप सिंह और पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर लाडनपुर तिराहा से आरोपी को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से चोरी की गई एक पीली धातु की चैन और एक नाजायज चाकू बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कन्हैया पांडेय पुत्र राजदेव पांडेय निवासी कपिया निजामत थाना महाराजगंज, जिला सिवान (बिहार) के रूप में हुई है। इस मामले में थाना जफराबाद में पहले से दर्ज मुकदमा संख्या 46/26 में कार्रवाई की जा रही थी। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत एक और मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय भेज दिया।

कार्रवाई की मांग पर 28 घंटे बाद हुआ युवक का अंतिम संस्कार

पीएम रिपोर्ट में आत्महत्या की पुष्टि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन क्षेत्र में फंदे से लटकते मिले युवक के मामले में परिजनों के विरोध के चलते करीब 28 घंटे बाद उसका अंतिम संस्कार किया गया। परिजन युवक की हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। जानकारी के अनुसार खुटहन गांव निवासी 29 वर्षीय कल्पनाथ गुप्ता उर्फ कक्कू मिस्त्री पुत्र लुटावन गुप्ता का शव मंगलवार को सब्जी मंडी के पास नाले के किनारे शीशम के पेड़ से फंदे पर लटकता मिला था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। पोस्टमार्टम के बाद देर रात शव परिजनों को सौंप दिया गया, लेकिन आक्रोशित स्वजन शव को घर लाकर हत्या का आरोप लगाते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी तक अंतिम संस्कार न करने की मांग पर अड़ गए। इस दौरान कुछ लोगों ने शव सड़क पर रखकर खुटहन-जौनपुर मार्ग जाम करने का भी प्रयास किया, जिसे पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए विफल कर दिया। बाद में पुलिस द्वारा कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद करीब 28 घंटे बाद पिलकिछा घाट पर युवक का अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस संबंध में थानाध्यक्ष रामाश्रय राय ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में युवक की मौत आत्महत्या से होना पाया गया है। पुलिस मामले की अन्य पहलुओं से भी जांच कर रही है।

झोलाछाप डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप, गलत इंजेक्शन से महिला का हाथ पड़ा काटना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रामपुर थाना क्षेत्र के असवा गांव में एक कथित झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि गलत इंजेक्शन लगाने से महिला के हाथ में गंभीर संक्रमण हो गया, जिसके बाद इलाज के दौरान उसका हाथ काटना पड़ा। जानकारी के अनुसार असवा गांव निवासी मैना देवी पत्नी लालमणि पांडेय के पैर में दर्द की शिकायत थी। इलाज के लिए परिजन उन्हें सेमुही बाजार स्थित एक निजी क्लिनिक पर ले गए, जहां कथित तौर पर बंगाली डॉक्टर प्रवीण राय मरीजों का इलाज करते हैं। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर द्वारा इंजेक्शन लगाने के बाद महिला की हालत अचानक बिगड़ने लगी। इसके बाद परिजन महिला को इलाज के लिए भदोही के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें वाराणसी रेफर कर दिया गया। वाराणसी में डॉक्टरों ने बताया कि गलत इंजेक्शन के कारण महिला के हाथ में गंभीर संक्रमण फैल गया है, जिसके चलते उसकी जान बचाने के लिए हाथ काटना पड़ा। घटना से आक्रोशित परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर पहुंचकर चिकित्सा प्रभारी डॉ. प्रभात कुमार यादव को लिखित तहरीर देकर आरोपी डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। चिकित्सा प्रभारी ने बताया कि शिकायत प्राप्त हो गई है और मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में कई बिना लाइसेंस के क्लिनिक संचालित हो रहे हैं, जिन पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है।

8 साल की उम्र में अरहम सिद्दीकी ने किया कुरान मुकम्मल

-इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर के मियांपुर स्थित मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित मदरसे के छात्र अरहम सिद्दीकी ने महज 8 साल की उम्र में पवित्र कुरान मुकम्मल कर एक मिसाल कायम की है। इतनी कम उम्र में इस उपलब्धि को हासिल करने पर मदरसे और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। अरहम सिद्दीकी ने अपने उस्ताद हाफिज मोहम्मद शाफे की देखरेख में कुरान शरीफ मुकम्मल किया। इस अवसर पर अरहम के पिता कौसर नियाजी ने उस्ताद और अपने बेटे को सम्मानित कर उनकी इस सफलता पर खुशी जाहिर की। कार्यक्रम के दौरान मदरसे के अन्य बच्चों में मिठाई वितरित की गई और सभी ने अरहम की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी। मदरसा कमेटी की ओर से बख्तियार आलम ने भी अरहम सिद्दीकी को सम्मानित करने की घोषणा की। मौजूद लोगों ने अरहम के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में कुरान मुकम्मल करना उनकी मेहनत, लगन और उस्ताद की अच्छी तालीम का परिणाम है।

हवन के धुएं से भड़की मधुमक्खियां,एक दर्जन लोग घायल

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के सुरहुरपुर गांव के प्राचीन हनुमान मंदिर परिसर में उस समय भगदड़ मच गई,जब हवन-पूजन से उठा धुंआ मधुमक्खी के छत्ते पर पड़ते ही मधुमक्खी मौजूद लोगों पर हमला कर की।जिसमें लगभग दर्जनों महिला व पुरुष जख्मी हो गए जिन्हें आनन फानन में सामुदायिक केंद्र लाया गया जहां चिकित्सकों ने घायलों का प्राथमिकी उपचार कर स्थिति सामान्य होने पर छोड़ दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव निवासी दुखीराम के घर पर मंगलवार को रामायण पाठ का आयोजन किया गया था।जिसके समापन के उपलक्ष्य में बुधवार को गांव के प्राचीन बजरंग बली मंदिर पर हवन-पूजन किया जा रहा था।हवन के दौरान यज्ञ कुंड से उठ रहे धुएं से पास के पेड़ पर लगे मधुमक्खियों का छत्ते पर पड़ी जिससे मधुमक्खियां भड़क गई और मंदिर परिसर में मौजूद लोगों पर हमला कर दी और मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई।मधुमक्खी के हमले में राधिका पत्नी दुखीराम, शकुंतला देवी पत्नी श्रीचंद, बृजेश गौड़ पुत्र रामधनी, राजेश गौड़ पुत्र रामधनी, बबीता गौड़ पत्नी राजेश, अनंत गौड़ पुत्र बृजेश, अदिति पुत्री दयाशंकर, पुनीता सहित आदि लोग घायल हो गए।घटना के बाद गांव में कुछ देर तक दहशत का माहौल बना रहा।

डीएम ने फार्मर रजिस्ट्री प्रचार वाहन को दिखाई हरी झंडी, किसानों को जागरूक करने का अभियान शुरू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। किसानों को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने कलेक्ट्रेट परिसर से फार्मर रजिस्ट्री के प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अभियान का उद्देश्य जनपद के अधिक से अधिक किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के प्रति जागरूक करना और उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ना है।

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रचार वाहन जिले के सभी विकास खंडों में जाकर किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के लाभों की जानकारी देगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, धान व गेहूं की सरकारी खरीद, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और किसान क्रेडिट कार्ड योजना जैसी अधिकांश कृषि योजनाओं का लाभ फार्मर रजिस्ट्री के आधार पर ही दिया जाएगा, इसलिए किसानों के लिए पंजीकरण कराना जरूरी है। उन्होंने बताया कि किसान जनसेवा केंद्रों के माध्यम से फार्मर रजिस्ट्री करा सकते हैं। इसके अलावा कृषि, राजस्व और पंचायत विभाग के कर्मचारी भी किसानों को पंजीकरण कराने में सहयोग कर रहे हैं। किसान अपने मोबाइल फोन के माध्यम से भी फार्मर रजिस्ट्री लिंक डाउनलोड कर स्वयं पंजीकरण कर सकते हैं।

जिलाधिकारी के अनुसार जिले में अब तक 71 प्रतिशत से अधिक किसानों का फार्मर रजिस्ट्री पंजीकरण पूरा हो चुका है। प्रशासन का लक्ष्य जल्द ही शत-प्रतिशत किसानों को इस योजना से जोड़ना है, ताकि कोई भी पात्र किसान सरकारी योजनाओं से वंचित न रह सके। इस अवसर पर उपनिदेशक कृषि डॉ. बी.बी. द्विवेदी, उप परियोजना निदेशक आत्मा डॉ. रमेश चंद्र यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि इस अभियान से जल्द ही जिले के सभी किसानों को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ा जा सकेगा।

14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत

जौनपुर में लंबित मामलों के निस्तारण को लेकर जिला जज ने की समीक्षा बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)आगामी 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर बुधवार को जनपद न्यायालय परिसर में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष सुशील कुमार शशि ने की, जिसमें सभी न्यायिक अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक मामलों को आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने की रणनीति पर चर्चा की गई। जिला जज ने न्यायिक अधिकारियों द्वारा की जा रही तैयारियों और प्रयासों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि जिन मामलों का निस्तारण समझौते के माध्यम से संभव है, उन्हें प्राथमिकता से चिन्हित कर लोक अदालत में निपटाया जाए।

राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन (वाद-पूर्व) और न्यायालयों में लंबित विभिन्न प्रकार के मामलों का निस्तारण किया जाएगा। इनमें मुख्य रूप से पारिवारिक एवं दाम्पत्य विवाद, चेक बाउंस (धारा 138), धन वसूली, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाएं, श्रम एवं सेवायोजन विवाद, बिजली-पानी बिल से जुड़े विवाद, भरण-पोषण वाद, राजस्व वाद तथा अन्य सिविल व आपराधिक शमनीय मामले शामिल हैं।

जिला जज ने वादकारियों और अधिवक्ताओं से अपील करते हुए कहा कि वे अपने-अपने मामलों से संबंधित न्यायालयों से संपर्क कर मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए संदर्भित कराएं, ताकि कम समय में आपसी समझौते से विवादों का समाधान हो सके और लोक अदालत का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे। बैठक में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत, अपर जिला जजगण, सिविल जज (सीडी)/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिविल जज (सीडी/जेडी) एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट सहित अन्य न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने वृद्धाश्रम और वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। सोनभद्र में सिविल जज (सीडी) एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव राहुल ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्धाश्रम का निरीक्षण किया तथा वहां विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया। निरीक्षण के दौरान वृद्धाश्रम के कर्मचारी उपस्थित रहे और वहां कुल 42 वृद्धजन रह रहे पाए गए। इस मौके पर सचिव ने वृद्धजनों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि बुजुर्गों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को Maintenance and Welfare of Parents and Senior Citizens Act, 2007 के प्रावधानों की जानकारी दी और बताया कि इस कानून के तहत माता-पिता व वरिष्ठ नागरिक अपने बच्चों से भरण-पोषण का दावा कर सकते हैं। साथ ही वृद्धावस्था पेंशन और अन्य सरकारी योजनाओं के बारे में भी जागरूक किया गया। इसी क्रम में 10 मार्च को सचिव ने वन स्टॉप सेंटर का भी निरीक्षण किया। यहां अधीक्षिका दीपिका सिंह सहित अन्य कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

शिक्षामित्रों के नियमितीकरण पर हाईकोर्ट सख्त, यूपी सरकार को दो माह में निर्णय का निर्देश

प्रयागराज (इलाहाबाद)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शिक्षामित्रों के नियमितीकरण के मुद्दे पर उत्तर प्रदेश सरकार को महत्वपूर्ण निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि शिक्षामित्रों की सेवा नियमित करने के मामले में राज्य सरकार दो माह के भीतर निर्णय ले। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजूरानी चौहान ने तेज बहादुर मौर्य समेत 114 अन्य शिक्षामित्रों की याचिका का निस्तारण करते हुए दिया। अदालत ने निर्देश दिया कि सभी 115 याची तीन सप्ताह के भीतर अपना-अपना प्रत्यावेदन अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा को सौंप दें। इसके बाद संबंधित अधिकारी को दो माह के भीतर सहायक अध्यापक पद पर नियमितीकरण के संबंध में अंतिम निर्णय लेना होगा। याचियों की ओर से अधिवक्ता सत्येंद्र चंद्र त्रिपाठी ने अदालत में दलील दी कि सभी अभ्यर्थी वर्षों से बेसिक शिक्षा परिषद के प्राथमिक विद्यालयों में सेवाएं दे रहे हैं और उनके अनुभव को देखते हुए उन्हें सहायक अध्यापक के रूप में नियमित किया जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि यह सरकार का नीतिगत विषय है और पहले भी ऐसे मामलों में विशेष अपील खारिज की जा चुकी है। हालांकि, याचियों के पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले और जून 2025 में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के आदेश का हवाला देते हुए दावा किया कि बदलती परिस्थितियों में उनके नियमितीकरण का मामला मजबूत है। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह याचियों के मामलों का गुण-दोष के आधार पर परीक्षण कर दो माह के भीतर स्पष्ट निर्णय ले। कोर्ट के इस आदेश के बाद प्रदेश के हजारों शिक्षामित्रों में उम्मीद जगी है, जो लंबे समय से सहायक अध्यापक का दर्जा और स्थायी सेवा की मांग कर रहे हैं। अब सबकी नजर बेसिक शिक्षा विभाग के आगामी फैसले पर टिकी है।

पोखरी के सुंदरीकरण को लेकर विवाद, दोनों पक्षों ने जताया स्वामित्व का दावा

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। फूलपुर नगर पंचायत के वार्ड नंबर 6 चंद्रशेखर आजाद नगर स्थित गाटा संख्या 677 मि. की नन्दोइया पोखरी के सफाई व सुंदरीकरण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। नगर पंचायत द्वारा कराए जा रहे कार्य को कुछ लोगों ने अपना मलकाना हक बताते हुए रुकवा दिया, जिसके बाद मामला प्रशासन तक पहुंच गया है।

जानकारी के अनुसार कुछ लोगों का कहना है कि वे केवट समाज से हैं और उनका पुश्तैनी पेशा मत्स्य पालन रहा है। उनका दावा है कि जमींदारी उन्मूलन से पहले यह क्षेत्र टाउन एरिया था और गाटा संख्या 677 की पोखरी पर उनके पूर्वजों को जमींदार कमर हुसैन और वाजिद अली के वारिसों से 20 नवंबर 1957 को मत्स्य पालन के लिए पंजीकृत पट्टा मिला था। इसके अलावा 25 नवंबर 1957 को तहसीलदार की अदालत से सुलहनामा भी प्राप्त हुआ था।

दावा करने वालों के अनुसार स्वत्व विवाद को लेकर न्यायालय में मुकदमा भी चला था, जिसका निस्तारण 12 फरवरी 2007 को हुआ। निर्णय में पोखरी पर झपसी और भिखारी केवट को काबिज भूमिधर माना गया और भूमि उनके नाम दर्ज बताई गई। आरोप है कि वर्तमान नगर पंचायत प्रशासन द्वारा पोखरी में मिट्टी पाटने का कार्य शुरू कराया गया, जिसे विरोध के बाद रुकवा दिया गया। इस संबंध में हजारी पुत्र श्रीराम, राजाराम पुत्र पूर्णमासी और रामकेश पुत्र नंदलाल ने अधिकारियों व मुख्यमंत्री से शिकायत की है। वहीं दूसरी ओर जमींदार पक्ष ने भी पोखरी पर अपना पुश्तैनी स्वामित्व बताते हुए सुंदरीकरण कार्य पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि यह पोखरा और उससे जुड़ी जमीन वाजिद अली, चिराग अली और कमर हुसैन के वंशजों की निजी संपत्ति है। उनका आरोप है कि उनके पूर्वजों ने केवट समाज के कुछ लोगों को रहने के लिए जमीन दी थी और मत्स्य पालन की अनुमति भी दी थी, लेकिन पिछले कई वर्षों से वहां मछली पालन नहीं हो रहा है और कुछ लोग अतिक्रमण कर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं।

इस मामले में नगर पंचायत अध्यक्ष राम अशिष बरनवाल का कहना है कि नगर पंचायत बोर्ड की बैठक में वार्ड नंबर 6 की सभासद गुड़िया देवी ने पोखरी के सुंदरीकरण का प्रस्ताव रखा था, जिसे उत्तर प्रदेश सरकार की योजना के तहत स्वीकृति मिली है। उनके अनुसार बाबा परमहंस मंदिर के पास स्थित यह ऐतिहासिक पोखरा गंदगी और अतिक्रमण से प्रभावित है, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि पोखरी की सफाई और सुंदरीकरण से अतिक्रमण हटेगा, जल स्तर बनाए रखने में मदद मिलेगी और क्षेत्र को गंदगी से राहत मिलेगी। नगर पंचायत प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि योजना के तहत सुंदरीकरण कार्य कराया जाएगा और कार्य में बाधा डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जौनपुर में मारपीट का आरोप, एसपी से निष्पक्ष जांच की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के ग्राम पतहना में मारपीट और तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि गांव के कुछ लोगों ने बाहरी व्यक्तियों को बुलाकर हमला कराया, जिसमें कई लोग घायल हो गए। शिकायत के अनुसार 4 मार्च 2026 को दोपहर करीब 2 से 4 बजे के बीच कुछ लोगों ने कथित तौर पर 8 से 10 बाहरी व्यक्तियों को बुलाकर रामस्वारथ बिंद पर हमला कर दिया। इस दौरान जब गांव के लोग बीच-बचाव के लिए पहुंचे तो उन पर भी लाठी-डंडों और ईंट-पत्थरों से हमला किए जाने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि इस घटना में बबलू गुप्ता, निलेश बिंद, कमलेश बिंद, उमेश बिंद और रामस्वारथ बिंद घायल हो गए, जबकि सुशीला बिंद का हाथ टूटने की भी बात कही गई है। आरोप है कि घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए और घर की छत से ईंट-पत्थर फेंके गए। शिकायतकर्ताओं के मुताबिक पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। साथ ही यह भी आरोप लगाया गया है कि सोशल मीडिया पर घटना के वीडियो को आंशिक रूप से दिखाकर भ्रामक तरीके से प्रसारित किया जा रहा है, जिससे मामले को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

आदिवासी महिला की जमीन कब्जाने के आरोप में पिता-पुत्रों पर एफआईआर के आदेश

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट सोनभद्र आबिद शमीम की अदालत ने आदिवासी महिला की जमीन पर कब्जा करने के आरोप में पिता-पुत्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। अदालत ने चोपन इंस्पेक्टर को मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना क्षेत्राधिकारी (सीओ) से कराने और जांच परिणाम से न्यायालय को अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश मनतोरा देवी पत्नी राम सिंह निवासी कोटा, थाना चोपन, जिला सोनभद्र द्वारा अधिवक्ता सीपी द्विवेदी एवं आनंद ओझा के माध्यम से दायर बीएनएसएस की धारा 173(4) के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद दिया गया। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि पीड़िता अनुसूचित जनजाति की महिला है। उसकी संपत्ति हड़पने के उद्देश्य से कामेश्वर जायसवाल, अनिल जायसवाल और सुनील जायसवाल निवासी कोटा, थाना चोपन ने 3 जुलाई 2008 को पांच-पांच रुपये के स्टांप पर टाइप किए गए फर्जी कागजात तैयार कर उसकी मां फुलेसरी का फर्जी अंगूठा निशान लगा लिया। आरोप है कि जब पीड़िता ने 11 जनवरी 2026 को शाम करीब 4-5 बजे इस बारे में विरोध किया तो आरोपियों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। साथ ही फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जमीन पर कब्जा कर लिया। पीड़िता ने इसकी शिकायत थाने और एसपी सोनभद्र को भी दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने इसे गंभीर अपराध मानते हुए एफआईआर दर्ज कर विवेचना कराने का आदेश दिया है। साथ ही जांच अधिकारी को निर्देश दिया गया है कि जांच पूरी कर उसका परिणाम न्यायालय को अवगत कराया जाए।

सपा नेता शैलेश पटेल की 15 करोड़ की संपत्ति कुर्क

मिजार्पुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी के आदेश पर प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने समाजवादी पार्टी के मड़िहान विधानसभा अध्यक्ष शैलेश पटेल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 15 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति कुर्क कर ली। पुलिस के अनुसार राजगढ़ थाना क्षेत्र के ददरा गांव निवासी शैलेश पटेल के खिलाफ एससी-एसटी व गैंगस्टर एक्ट समेत कुल चार मुकदमे दर्ज हैं। जिलाधिकारी पवन कुमार अगवाल के निर्देश पर मंगलवार को उपजिलाधिकारी मड़िहान की मौजूदगी में पुलिस और राजस्व विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की। इस दौरान राजगढ़, मड़िहान, संतनगर और अहरौरा थानों की पुलिस भी मौके पर मौजूद रही। प्रशासन ने गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत शैलेश पटेल द्वारा कथित रूप से अवैध रूप से अर्जित संपत्ति को कुर्क किया। कार्रवाई के तहत ग्रामसभा राजगढ़ (थाना राजगढ़, तहसील मड़िहान) में 33.038 हेक्टेयर और ग्राम ददरा सक्तेशगढ़ में 0.5690 हेक्टेयर भूमि को कुर्क किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 15 करोड़ रुपये बताई जा रही है।सीओ ऑपरेशन दीपशिख ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर गैंगस्टर एक्ट के तहत यह कार्रवाई की गई है। शैलेश पटेल के खिलाफ मड़िहान थाने में कुल चार मुकदमे दर्ज हैं।

करंजाकला ब्लॉक परिसर में 2.28 करोड़ से बनेगा आवासीय भवन, 68 लाख की पहली किस्त जारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के विकास खण्ड करंजाकला परिसर में आवासीय भवनों के निर्माण के लिए राज्य सरकार ने कुल 228.12 लाख (2.28 करोड़) की शासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। साथ ही 68 लाख की प्रथम किस्त भी जारी कर दी गई है। यह परियोजना ब्लॉक स्तर पर प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ विकास कार्यों को तेजी देने में सहायक होगी। उत्तर प्रदेश शासन के ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार विकास खण्ड करंजाकला परिसर में आवासीय भवनों के निर्माण के लिए वित्तीय स्वीकृति दी गई है। शासनादेश के मुताबिक इस परियोजना की अनुमानित लागत 228.12 लाख तय की गई है। निर्माण कार्य के लिए 68 लाख रुपए की प्रथम किस्त वित्तीय वर्ष 2025-26 में जारी कर दी गई है। परियोजना पूरी होने के बाद ब्लॉक स्तर पर अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे क्षेत्र में प्रशासनिक कार्यों के संचालन में सुविधा और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि जौनपुर के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हूं। करंजाकला ब्लॉक परिसर में आवासीय भवनों के निर्माण की स्वीकृति से क्षेत्र के प्रशासनिक कार्यों को मजबूती मिलेगी और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। हमारा प्रयास है कि जौनपुर के हर क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाया जाए। प्रमुख प्रतिनिधि सुनील यादव व बीडीओ डॉ.रामकृष्ण यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार की विकासोन्मुख नीतियों के कारण जौनपुर में लगातार नई परियोजनाओं को स्वीकृति मिल रही है। करंजाकला ब्लॉक में आवासीय भवन निर्माण से अधिकारियों व कर्मचारियों को बेहतर सुविधा मिलेगी और क्षेत्र के विकास कार्यों में तेजी आएगी।

नो स्मोकिंग डे: 'तम्बाकू का शौक किस्तों में मौत'

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नो स्मोकिंग डे के उपलक्ष्य में जन जागरूकता हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में गोष्ठी एवं हस्ताक्षर अभियान का अयोजन मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 प्रभात कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा बताया गया कि आज नो स्मोकिंग डे है, इस दिन दुनिया भर में धूम्रपान न करने को लेकर लोगो को जागरुक और प्रोत्साहित किया जाता है। नो स्मोकिंग डे का उदेद्श्य लोगो को स्मोकिंग की बुरी आदतो से छुटकारा दिलाना होता है। तम्बाकू या सिगरेट एक हानिकारक पदार्थ होता है, जिसके सेवन से कई तरह के रोग हो सकते है, इसका अधिक सेवन गम्भीर बीमारियों को बढ़ावा देता है और शरीर को कमजोर बना देता है। कैन्सर जैसी जानलेवा बीमारी धूम्रपान के कारण होती है, वही हृदय से जुड़ी बीमारियां भी सबसे ज्यादा धूम्रपान सेवन की वजह से होने लगी है। नोडल अधिकारी राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम डा0 बी0 सी0 पन्त द्वारा बताया गया कि इस दिन का मुख्य उददेश्य सिगरेट और अन्य तरीको के माध्यम से तम्बाकू सेवन के हानिकारक स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में लोगो मे जागरुकता फैलाना है। धूम्रपान करने की बुरी आदत से छुटकारा पाने में धूम्रपान करने वालों की मदद करना महत्वपूर्ण सन्देश है। धूम्रपान छोडने के लियं दुनिया भर के लोगे को प्रोत्साहित करने के लिये हर वर्ष मार्च के दूसरे बुधवार को नो स्मोकिंग डे के रुप में मनाया जाता है। धूम्रपान या चबाने वाला तम्बाकू सवसे बुरी आदतो मे से एक है जिसे कोई भी अपना सकता है। स्वास्थ्य जोखिम सभी के लिये होता है। अभी भी हजारे 12 से 17 वर्ष की आयु के बीच के युवा प्रत्येक दिन धूम्रपान करना शुरू करते है। धूम्रपान से हृदय रोग, ब्रेकाइटिस, निमोनिया, स्ट्रोक, मधुमेह और कई प्रकार के कैन्सर जैसी स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती है, जिसमे से मुख का कैन्सर आम है। जिसका परिणाम अकाल मृत्यु है। उनके द्वारा कहां गया ह्यतम्बाकू का शौक किस्तों में मौत। डा0 पन्त द्वारा सभी को तम्बाकू मुक्त महाअभियान में सच्चे मन के साथ सक्रिय रुप से भाग लेने हेतु शपथ दिलायी गयी। उक्त कार्यक्रम में जय प्रकाश गुप्ता, विवेक मौर्या, कुलदीप श्रीवास्तव एवं एन0सी0 डी0 सेल तथा कार्यालय के सभी अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहें।

विधायक रमेश सिंह के प्रयास से दो चरणों में मिली आर्थिक मदद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज विधानसभा क्षेत्र के गंभीर बीमारियों से पीड़ित गरीब और जरूरतमंद मरीजों को बड़ी राहत मिली है। विधायक रमेश सिंह के प्रयास से मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष (चिकित्सकीय) से क्षेत्र के 20 मरीजों को कुल 32 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत हुई है। इससे आर्थिक तंगी के कारण इलाज कराने में असमर्थ परिवारों को बड़ी मदद मिलेगी। विधायक रमेश सिंह ने बताया कि शाहगंज क्षेत्र के विभिन्न गांवों के कई मरीज लंबे समय से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे थे। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उनके इलाज में परेशानी आ रही थी। इसके लिए मरीजों के प्रार्थना पत्रों की संस्तुति कर मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से आर्थिक सहायता दिलाने की पहल की गई। मुख्यमंत्री की स्वीकृति के बाद क्षेत्र के कुल 20 मरीजों को लगभग 32 लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई है। इसमें पहले चरण में करीब 19 लाख 80 हजार रुपये तथा दूसरे चरण में करीब 13 लाख 20 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई। यह धनराशि मरीजों के इलाज के लिए प्रदान की गई है, जिससे उन्हें बेहतर उपचार मिल सकेगा। इस पहल से क्षेत्र के जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक राहत मिली है। सहायता प्राप्त करने वाले मरीजों और उनके परिजनों ने मुख्यमंत्री और विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया है। विधायक रमेश सिंह ने कहा कि ह्लनर सेवा ही नारायण सेवा है। क्षेत्र के गरीब और जरूरतमंद मरीजों को बेहतर इलाज मिल सके, इसके लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी संवेदना जनता से जुड़ी है।

उजास पहल के तहत पालघर में मां-बेटी संवाद से टूटी माहवारी पर चुप्पी

पालघर। माहवारी को लेकर समाज में बनी चुप्पी को तोड़ने और इस विषय पर खुलकर बातचीत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उजास पहल के तहत पालघर जिले में लेट्स टॉक रेड क्लब नाम से मां-बेटी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया। उजास पहल की स्थापना अद्वैतेशा बिरला ने की है।

इस कार्यक्रम का आयोजन माध्यमिक विद्यालय भगिनी समाज, पालघर में आयोजित हुआ, जिसमें 25 माताएं और 25 किशोरियां शामिल हुईं। कार्यक्रम में स्कूल की प्रिंसिपल प्रणिता वर्तक भी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। इस पहल के जरिए किशोरियों के स्वास्थ्य और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए माहवारी से जुड़े मुद्दों पर वैज्ञानिक जानकारी और जागरूकता फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। उजास का मानना है कि माहवारी से जुड़ी जागरूकता लड़कियों की गरिमा, शिक्षा और अवसरों से सीधे जुड़ी हुई है। इसलिए इस पहल का उद्देश्य माहवारी को लेकर समाज में मौजूद झिझक को खत्म करना और इस विषय पर सामान्य बातचीत को बढ़ावा देना है, ताकि किसी भी लड़की का आत्मविश्वास या पढ़ाई इस कारण प्रभावित न हो।

उजास की हेड पूनम पाटकर ने कहा, पिछले एक वर्ष से यह पहल पालघर के विभिन्न समुदायों के साथ मिलकर माहवारी स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाने का काम कर रही है। इस दौरान अब तक 28,643 लोगों तक पहुंच बनाई गई है और 40,737 से अधिक सैनिटरी पैड मुफ्त वितरित किए गए हैं, ताकि लड़कियों को सुरक्षित माहवारी उत्पाद उपलब्ध हो सकें।आज मां-बेटियां एक साथ बैठकर इस विषय पर खुलकर चर्चा कर पा रही हैं। कार्यक्रम में शामिल एक किशोरी ने कहा इस कार्यक्रम ने हमें माहवारी के बारे में खुलकर बात करने का आत्मविश्वास दिया। इससे मां-बेटी के रिश्ते को भी मजबूती मिलती है और मुझे लगता है कि हमारे समाज में ऐसे कार्यक्रम और होने चाहिए। वहीं एक मां ने कहा, यह सत्र हमारे लिए बहुत उपयोगी रहा। हमें माहवारी से जुड़ी कई जरूरी बातें सीखने को मिलीं और यह भी समझ आया कि मां-बेटी एक-दूसरे का बेहतर साथ कैसे दे सकती हैं। काश मैं अपनी दूसरी बेटियों को भी इस कार्यक्रम में लेकर आती। ऐसे कार्यक्रम और जगहों पर होने चाहिए।

वेदप्रकाश तिवारी संग रीतू दुबे परिणय सूत्र में बंधे

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। प्रदेश के प्रतिष्ठित जगदम्बा संस्कृत महविद्यालय के संचालक मलसिल निवासी राकेश राम शिरोमणि तिवारी के सुपुत्र वेद प्रकाश तिवारी उर्फ शुभम का विवाह श्रीमती प्रतिभा अरविंद कुमार दुबे की सुपुत्री रितु दुबे के साथ दिनांक 9 मार्च 2026 को हर्षोल्लास और पारंपरिक वैदिक रीति-रिवाजों के बीच से कुशल संपन्न हो गया । जौनपुर के रानीपुर मड़ियांहू में आयोजित इस भव्य वैवाहिक समारोह में भावनाओं की मधुर आभा और उत्सव की रंगीन छण के साथ देखने को मिली । मंगल गीतों और आनंद का वातावरण स्पष्ट रूप से झलक रहा था । यह अवसर केवल दो हृदयों के मिलन का नहीं बल्कि दो संस्कारिक परिवारों में नव उमंग और आनंद का वातावरण स्पष्ट रूप से झलक रहा था । यह अवसर केवल दो हृदयों के मिलन का नहीं बल्कि दो संस्कारित परिवारों के स्थाई रिश्ते में बढ़ाने का पवन क्षण बन गया । इस अवसर पर प्रीतिभोज और आशीर्वाद समारोह में कई विशिष्ट अतिथियों का गरिमामयी उपस्थिति रही ।

उस शुभ अवसर पर दादा संकठा प्रसाद तिवारी , मां अमृता रामशिरोमणि तिवारी (प्रवंधक) , राकेश तिवारी मिल्लू (प्रधानाचार्य) , श्रीमती प्रीति डाली राकेश तिवारी (अध्यापिका) , राजेश तिवारी (अध्यापक) ने आशीर्वाद प्रदान किया। अवनीश तिवारी, आलोक तिवारी, अंश तिवारी , आजाद तिवारी इंजिनियर, राम अछैबर तिवारी , राम बूझारत तिवारी , शेष नारायण तिवारी, रामआश्रे तिवारी , राहुल एवं समस्त तिवारी परिवार उपस्थित थें। रोहियांव से विजय चंद मिश्रा (जीवन बीमा निगम सलाहकार) , महेश दुबे, श्रीमती प्रमिला महेश दुबे , श्रीमती उर्मिला मिश्रा, अवनीश मिश्रा ,द्विवेश मिश्रा, सौरभ दुबे, गौरव दुबे सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रह कर आशीर्वाद प्रदान किया । दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा का स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि जबतक रहे गंगा जमुन जल धारा, अमर रहे, शुभम व रीतू का वैवाहिक जोड़ा तथा रीतू बिटिया सुहाग तुम्हारा, हमारे तरफ से ढेर सारे शुभकामनाएं।

मां विंध्यवासिनी देवी का दर्शन करने पहुंचे पवारा के मिश्रा परिवार

जौनपुर (उत्तर शक्ति)। जनपद जौनपुर पवारा बाजार निवासी दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार विष्णुकांत मिश्रा व उनके बड़े भाई शशिकांत मिश्रा, मां सवित्रा देवी मिश्रा, दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा के सुपुत्र धीरेंद्र मिश्रा पत्नी शैली मिश्रा, अंश मिश्रा, श्रीमती साधना मिश्रा, अक्षिता, मधू मिश्रा परिवार सहित मिजार्पुर स्थित मां विंध्यवासिनी धाम में पहुंचकर माथा टेका और मां से आशीर्वाद प्राप्त किया। बताया जाता है कि मां विंध्यवासिनी हिंदूओं की कुल देवी है। मां विंध्यवासिनी के दर्शन मात्र से कार्य सिद्ध हो जाता है। मां विंध्यवासिनी देवी की कहानी बहुत लम्बी है। पौराणिक कथाओं में कहा जाता है कि कंस ने देवकी की आठवीं संतान जब पैदा हुई जेल के सारे ताले खुल गए थे। तब वासुदेव ने कृष्ण को मथुरा पहुंचा दिया था और वहां से एक कन्या लाएं थे। कंस ने उस कन्या को मारना चाहा तभी कन्या हाथ से छूट गईं। तुम्हें मारने वाला मथुरा में पैदा हो गया है यह कहते हुए लापता हो गई और जा कर विंध्याचल पर्वत पर स्थान ग्रहण की तभी से मां विंध्यवासिनी के नाम जानी जाने लगी।

आशुतोष तिवारी का जन्मदिन सनातन धर्म के अनुसार बड़े धूमधाम से मनाया गया

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। मुम्बई के उप नगर नालासोपारा पुर्व मे जौनपुर उत्तर प्रदेश पंडित विश्वनाथ तिवारी के छोटे पुत्र आशुतोष तिवारी का जन्म दिन उत्सव के रूप मे मनाया गाया । आशुतोष तिवारी विश्व हिन्दु परिषद बजरंग दल के प्रखंड मंत्री के रूप मे संगठन का कार्य बडी निष्ठापूर्वक देखते है । जन्म दिन पर उपस्थित सम्मानित लोग हरीकेश तिवारी, नगरसेवक सिम्पल सिंह , समाज सेवक नरेन्द्र यादव पटला डेरी फार्म , एडवोकेट पंडित आचार्य दीनानाथ शुक्ला ने मंत्रोच्चार द्वारा आशुतोष का जन्मदिन मनाया। हितेश दुबे , भाजपा उपाध्यक्ष हेमंत पाण्डेय , अनुप चौरसिया , सतेन्द्र पाण्डेय समाज सेवक , अरुण पाल , जय पाठक , प्रदीप मिश्रा , बृजेश पाण्डेय , बिनय तिवारी सन्दीप मिश्रा , राजेश वर्मा समाज सेवक, आर आर सिंह पत्रकार, बिकास सिंह , चन्दन उपाध्याय, अशीष यादव इन सब लोगो ने जन्म दिन पर बहुत ही सुंदर वर्णन कर वैदीक रुप से जन्म दिन मनाया गाया ।

सांड से टक्कर में हुई मौत के बाद शासन की मदद से मिला सहारा ,पीड़ित परिवार को मिली 4 लाख की आर्थिक सहायता

-रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर तहसील क्षेत्र के ग्राम छंगापुर निवासी स्व० राजेन्द्र प्रसाद की दर्दनाक मृत्यु के बाद शासन की ओर से उनकी पत्नी श्रीमती मीरा नाविक को आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। यह सहायता राज्य आपदा मोचन निधि के अंतर्गत रुपये 4.00 लाख (चार लाख रुपये) की अनुग्रह राशि के रूप में दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 12 अगस्त 2024 को स्व० राजेन्द्र प्रसाद अपनी पत्नी श्रीमती मीरा नाविक के साथ मोटरसाइकिल से जा रहे थे। इसी दौरान अचानक एक छुट्टा सांड से टक्कर हो जाने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में उनकी मृत्यु हो गई। इस दुखद घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

घटना के संबंध में क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसके आधार पर पीड़ित परिवार को शासन की योजना के तहत सहायता दिलाने की प्रक्रिया शुरू की गई। उक्त प्रकरण माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद तक भी पहुंचा। मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेशानुसार जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत के अनुपालन में मामले का परीक्षण करते हुए यह पाया गया कि शासनादेश में वर्णित उपबंधों के अनुसार सांड एवं नीलगाय के आघात से हुई मृत्यु राज्य आपदा के अंतर्गत आती है, जिस पर आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने का प्रावधान है।

जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र के निर्देश पर आवश्यक अभिलेखों का परीक्षण कर उपजिलाधिकारी बदलापुर और तहसीलदार के माध्यम से कार्यवाही पूर्ण की गई और दिनांक 09 मार्च 2026 को मृतक की विधिक वारिस पत्नी श्रीमती मीरा नायक के खाते में रु0 4.00 लाख की अनुग्रह राशि अंतरित कर दी गई। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने कहा कि यह प्रकरण बेहद संवेदनशील होने के साथ ही अन्य प्रकरण से भिन्न था, जिसपर तत्काल संज्ञान लिया गया और माननीय उच्च न्यायालय के आदेशानुसार पीड़ित परिवारजन को सहायता राशि उपलब्ध करा दी गई है। इस सहायता से पीड़ित परिवार को कठिन समय में कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। जिला प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि शासन की योजनाओं के अंतर्गत पात्र लोगों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास किया जाता रहेगा। सहायता राशि मिलने पर श्रीमती मीरा नायक द्वारा शासन प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

हिंडाल्को रेणुकूट में हैजार्ड आइडेंटिफिकेशन एवं रिस्क असेसमेंट प्रतियोगिता आयोजित

-सुशील कुमार तिवारी

रेणुकूट ,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। औद्योगिक कार्यस्थलों पर सुरक्षा संस्कृति को मजबूत बनाने के उद्देश्य से हिंडाल्को रेणुकूट में चल रहे सुरक्षा सप्ताह के तहत प्रशिक्षण केंद्र में ह्यहैजार्ड आइडेंटिफिकेशन एवं रिस्क असेसमेंट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न विभागों की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कार्यस्थल सुरक्षा से जुड़े अपने ज्ञान और जागरूकता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों को कार्यस्थल पर संभावित खतरों की पहचान, उनके जोखिम का आकलन और सुरक्षित कार्य प्रणाली को अपनाने के लिए जागरूक करना था। प्रतिभागियों ने औद्योगिक कार्यस्थलों से जुड़े विभिन्न परिदृश्यों में संभावित

जोखिमों की पहचान कर उनके समाधान भी प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में कुल चार टीमों ने भाग लिया। प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन निर्णायक मंडल के रूप में सत्यजीत आचार्या, हिमांशु रंजन, संतोष सिंह, कैलाश पधान और लोकनाथ नायक ने किया। प्रतियोगिता में रिडक्शन प्लांट की टीम–पवन विश्वकर्मा, प्रियंका गुप्ता, अमित सिंह और एस.के. पाण्डेय–ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं फैब्रिकेशन प्लांट की टीम–अनुष्का श्रीवास्तव, गौरव पराटे, उमेश मौर्य और आर.एन. गुप्ता–द्वितीय स्थान पर रही। जबकि यूटिलिटी प्लांट की टीम–विशाल भारती, सिद्धी तिवारी, रमेश पाल और उमेश ओझा–ने तृतीय स्थान हासिल किया। कार्यक्रम में हिंडाल्को के मुखिया समीर नायक और रिडक्शन हेड जयेश पवार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कार्यस्थल पर सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन सुरेश शुक्ला ने किया, जबकि विजेता टीमों की घोषणा सेफ्टी हेड जय तिवारी द्वारा की गई। प्रतियोगिता के समापन पर सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की गई और सुरक्षित कार्य संस्कृति को उद्योग की प्रगति का आधार बताया गया।

फोनपे ने लॉन्च किया 'ऑन-द-गो' कार्ड, अब बिना इंटरनेट के सफर पर पेमेंट करना होगा आसान

मुंबई। फोनपे ने आज अपने 'RuPOy ऑन-द-गो' कार्ड को लॉन्च करने की घोषणा की है, जो कि एक नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (NCMC) है। यह लॉन्च भारत के 'वन नेशन, वन कार्ड' के विजन को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है, जिसका मुख्य उद्देश्य पूरे भारत में ट्रैवेल से जुड़े पेमेंट को डिजिटल बनाना है।

फोनपे का यह 'ऑन-द-गो' कार्ड रोजाना सफर करने वाले लोगों की ज़िंदगी को आसान बनाने के लिए एक 'ऑल-इन-वन' ट्रांजिट कार्ड के तौर पर काम करेगा। इसकी मदद से आप देशभर में NCMC वाले सेवाओं, जैसे मेट्रो, बस, ट्रेन, टोल और पार्किंग पर बहुत तेजी से 'टैप-एंड-पे' के माध्यम से पेमेंट कर सकेंगे। यह कार्ड पूरी तरह से इंटरऑपरेबल है, यानी एक ही कार्ड को हर जगह उपयोग किया जा सकेगा। इसका एक महत्वपूर्ण फीचर यह है कि इस कार्ड को तुरंत जारी

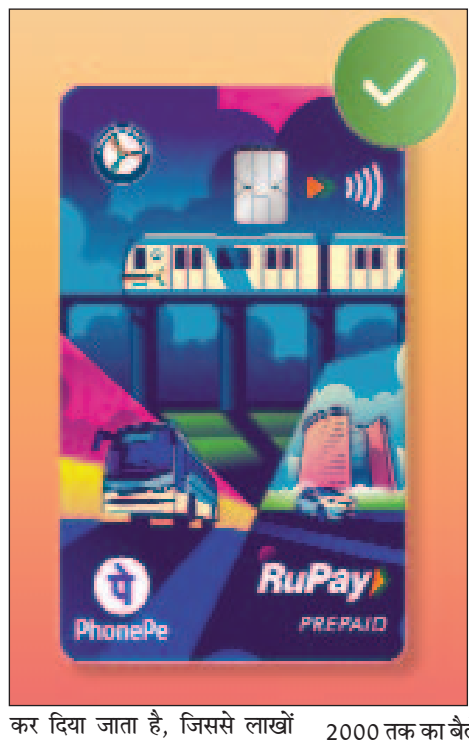

कर दिया जाता है, जिससे लाखों यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलती है। यह कार्ड प्री-पेड, 'स्टोर्ड-वैल्यू' मॉडल पर आधारित है, जहाँ बैलेंस सीधे कार्ड की चिप में सुरक्षित रहता है। यह मॉडल पूरी तरह से ऑफलाइन कॉन्टैक्टलेस पेमेंट की सुविधा देता है, जिससे यात्री बिना इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में भी 'टैप-एंड-पे' कर सकते हैं। यूजर इस कार्ड में 2000 तक का बैलेंस रख सकते हैं, जिसमें प्रत्येक ऑफलाइन ट्रांजेक्शन की अधिकतम सीमा 500 है।

इस लॉन्च पर बात करते हुए, फोनपे के पेमेंट्स हेड, दीप अग्रवाल जी ने कहा, हम फोनपे 'ऑन-द-गो' कार्ड को लॉन्च करने के लिए बहुत उत्साहित हैं, यह उन करोड़ों यूजर के लिए है जो रोजाना पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करते हैं।

यह कार्ड देश भर के ट्रांजिट प्रोवाइडर्स पर तेज 'टैप-एंड-पे' ट्रांजेक्शन को संभव बनाता है। इसके लिए इंटरनेट की भी जरूरत नहीं है, क्योंकि पैसे कार्ड में ही होते हैं। यह हमारे डिजिटल वॉलेट इकोसिस्टम को नेशनल पब्लिक ट्रांसपोर्ट के साथ जोड़ने की दिशा में हमारा पहला कदम है, जो हर यात्री को एक सुरक्षित अनुभव प्रदान करता है और 'RuPOy द्वारा संचालित NCMC फ्रेमवर्क के आधार पर राष्ट्रीय इंटरऑपरेबिलिटी की नींव को और मजबूत करता है।

दहानू-नासिक रेलवे प्रोजेक्ट का सर्वे चल रहा है: डॉ. हेमंत सावरा

वसई। लोकसभा के बजट सेशन में प्रश्नकाल के दौरान पालघर से भाजपा खासदार डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने दहानू-नासिक रेलवे लाइन के बारे में उठाए गए सवाल का जवाब देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस रूट का सर्वे बहुत तेजी से चल रहा है।

इस मौके पर बोलते हुए खासदार डॉ. हेमंत सावरा ने कल्याण-मुरबाड के शहरी इलाके में रेलवे लाइन का काम शुरू करने के लिए रेल मंत्री को धन्यवाद दिया। इसके साथ ही, उन्होंने 'दहानू-नासिक रेलवे लाइन' के सर्वे के शुरू होने पर भी खुशी जताई, जो ज्यादातर आदिवासी और ग्रामीण इलाकों को जोड़ती है। चूंकि यह प्रोजेक्ट आदिवासी और ग्रामीण इलाकों के लिए बहुत जरूरी है, इसलिए डॉ. सावरा ने एक जरूरी सवाल पूछा कि इस रेलवे लाइन का सर्वे कब पूरा होगा और प्रोजेक्ट को कब मंजूरी मिलेगी। इस सवाल का जवाब देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने साफ किया कि दहानू से नासिक रेलवे लाइन का सर्वे अभी चल रहा है। क्योंकि यह रूट वेस्टर्न घाट से होकर गुजरता है, इसलिए यह एक बहुत मुश्किल प्रोजेक्ट है। वेस्टर्न घाट की ज्योग्राफिकल सिचुएशन और उसकी चुनौतियों को देखते हुए, इस प्रोजेक्ट में कई टेक्निकल पहलू शामिल हैं। हालांकि, इसके बावजूद, रेल मंत्री ने सदन को भरोसा दिलाया कि इस प्रोजेक्ट का सर्वे का काम बहुत तेजी से चल रहा है। इस जरूरी रेलवे प्रोजेक्ट से पालघर और नासिक जिलों के आदिवासी और ग्रामीण इलाकों के विकास को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

चैत्र नवरात्रि को लेकर समय से पूर्ण करें सभी तैयारी: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने बलरामपुर मंडल की समीक्षा बैठक कर दिए आवश्यक निर्देश

बलरामपुर। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन योगी आदित्यनाथ जी ने बुधवार को जनपद में समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों, कानून व्यवस्था एवं चैत्र नवरात्रि मेला की तैयारियों को लेकर आवश्यक निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 19 मार्च से नवरात्रि प्रारंभ होने जा रही है। चैत्र नवरात्रि मेले में देवीपाटन मंदिर शक्तिपीठ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन होता है। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम दर्शन, पेयजल, स्वच्छता, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और भीड़ प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि नवरात्र पर मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए तथा आवश्यकतानुसार अतिरिक्त स्वच्छताकर्मी तैनात किए जाएं। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान से तैयारियों की जानकारी भी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री ने कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान कहा कि हर थाना क्षेत्र में संस्थाओं के आसपास एंटी रोमियो स्क्वॉड तैनात रहे। शोहदों, चेन स्नेचरों आदि के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। ऐसे लोगों की फोटो सार्वजनिक स्थलों और सोशल मीडिया पर लगाई जाए। बॉर्डर एरिया पर पुलिस एवं बीएसएफ की संयुक्त निगरानी हो। नवधनाढ्यों की संपत्ति की जांच कराई जाए। मुख्यमंत्री ने प्रशासन व पुलिस को सख्त निर्देश दिया कि छांगुर जैसा व्यक्ति दोबारा न पनपे। ग्राम चौकीदारों को सक्रिय किया जाए, सभी जानकारी साझा की जाए। जिला मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक नियमित हो। सभी अपराधियों को कानून के तहत सजा दिलाई जाए, जिससे उनमें कानून का भय हो।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि मां पाटेश्वरी राज्य विश्वविद्यालय के निर्माण में तेजी लाकर इसे मई तक पूर्ण किया जाए। यूनिवर्सिटी को रिसर्च सेंटर के तौर पर भी विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में थारू जनजाति एवं अन्य परिवार को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से संतृप्त किया जाए। थारू जनजाति क्षेत्र में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत प्रशिक्षण कराया जाए। राजस्व वादों, पैमाइश एवं विरासत के निस्तारण में तेजी लाई जाए।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि मेडिकल कॉलेज में सभी औपचारिकता पूर्ण करते हुए नए सत्र में पढ़ाई के लिए आवेदन करें। शीघ्र मेडिकल की पढ़ाई शुरू कराई जाएगी। बाढ़ से बचाव के लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी जाए। नदियों, पहाड़ी नालों के ड्रेनेज-चैनलाइज का कार्य समय से पूर्ण किया जाए। महिलाओं एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही विशेष योजनाओं (मातृ वंदना योजना, कन्या सुमंगला योजना, सामूहिक विवाह आदि) का लाभ हर पात्र को मिलना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि जिला उद्योग बंधु एवं व्यापारी बंधुओं की नियमित बैठकें हों और उनकी समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने समीक्षा बैठक में कहा कि गोवंश संरक्षण स्थल को और सुदृढ़ किया जाए।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स लगातार 20वें साल बना दुनिया का नंबर-1 टीवी ब्रांड

मुंबई। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड ने आज घोषणा की है कि वह लगातार 20वें साल दुनिया का नंबर-1 टीवी ब्रांड बना हुआ है–जो टेलीविजन उद्योग में वैश्विक लीडर के रूप में दो दशक पूरे होने का प्रतीक है। सैमसंग ने 2006 से वैश्विक टीवी बाजार में शीर्ष स्थान बनाए रखा है और मार्केट रिसर्च कंपनी 'ओमडिया' के अनुसार, कंपनी ने 2025 में वैश्विक टीवी बाजार में 29.1% की हिस्सेदारी दर्ज की है। यह उपलब्धि प्रीमियम, बड़े आकार और अगली पीढ़ी की डिस्प्ले तकनीकों में सैमसंग के नेतृत्व को और भी मजबूत करती है। नियो QLED, OLED और लाइफस्टाइल टीवी के दम पर सैमसंग ने 2,500 डॉलर से अधिक कीमत वाले प्रीमियम सेगमेंट में 54.3% बाजार हिस्सेदारी के साथ अपनी बढ़त बनाए रखी। साथ ही, कंपनी ने 1,500 डॉलर से अधिक के सेगमेंट में भी 52.2% हिस्सेदारी के साथ अपना नेतृत्व बरकरार रखा। इस मौके पर सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के विजुअल डिस्प्ले बिजनेस के प्रेसिडेंट और हेड एसडब्ल्यू योंग ने कहा, ह्यग्राहक टीवी चुनते हैं, तो वे एक ऐसे ब्रांड को चुनते हैं जिस पर वे आने वाले कई सालों तक भरोसा कर सकें। ह्यउन्होंने आगे कहा, ह्यवैश्विक टीवी बाजार में हमारा 20 साल का नेतृत्व उसी भरोसे को दर्शाता है–जो दशकों की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और प्रीमियम नवाचार पर बना है। 2006 में अपने डिजाइन-आधारित बोर्डियॉक्स टीवी के साथ पहली बार वैश्विक टीवी बाजार में नंबर-1 स्थान हासिल करने के बाद से सैमसंग ने लगातार नवाचार करते हुए टेलीविजन उद्योग को नया रूप दिया है। 2009 में कंपनी ने एलईडी टीवी की दिशा में वैश्विक बदलाव को गति दी, जिससे पतले और अधिक ऊर्जा-कुशल डिस्प्ले के लिए नए मानक स्थापित हुए। इसके बाद 2011 में स्मार्ट टीवी की शुरुआत ने पारंपरिक टेलीविजन को इंटरनेट से जुड़े मनोरंजन प्लेटफॉर्म में बदल दिया और टीवी की भूमिका केवल वीडियो देखने तक सीमित न रहकर कहीं अधिक व्यापक हो गई। 2015 में पेश किया गया द सेरिफ एक डिज़ाइन-केंद्रित टीवी था, जिसने यह बदला कि टेलीविजन घर की सजावट और लिविंग स्पेस का हिस्सा कैसे बन सकते हैं, और स्क्रीन को घर के एक आकर्षक तत्व के रूप में स्थापित किया।

कांशीराम के मिशन को सामाजिक न्याय आंदोलन के रूप में आगे बढ़ा रहे हैं अखिलेश यादव: मो. अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि मान्यवर कांशीराम के अधूरे मिशन को आज समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सामाजिक न्याय के व्यापक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि सदियों में ऐसे दूरदर्शी और परिवर्तनकारी नेतृत्व का जन्म होता है, जो समाज और देश को नई दिशा देता है।

बी.आर.अम्बेडकर ने भारत ही नहीं बल्कि विश्व मानवता को सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक अधिकारों की नई वैचारिक धारा दी। उनके प्रयासों से दलित, पिछड़े और वंचित समाज को शिक्षा, रोजगार और शासन-प्रशासन में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आरक्षण जैसी ऐतिहासिक व्यवस्था मिली। अरशद खान ने कहा कि बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और बहुजन समाज को एक संगठित राजनीतिक शक्ति बनाने का ऐतिहासिक कार्य मान्यवर कांशी राम ने किया। उन्होंने दलित, पिछड़े, आदिवासी और वंचित समाज को एक वैचारिक व राजनीतिक आंदोलन से जोड़ा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अखिलेश यादव पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) की विचारधारा के माध्यम से सामाजिक न्याय, लोकतांत्रिक अधिकार और आबादी के अनुपात में भागीदारी की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह विचार देश ही नहीं बल्कि विश्व स्तर पर चल रहे सामाजिक न्याय और मानवाधिकार आंदोलनों से भी जुड़ा हुआ है। मो.अरशद खान ने कहा कि 15 मार्च को समाजवादी पार्टी पूरे देश में मान्यवर कांशीराम की जयंती मनाकर सामाजिक न्याय, समानता और बहुजन एकता के संकल्प को मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता इस अवसर पर संकल्प लेंगे–कांशीराम तेरा मिशन अधूरा, अखिलेश यादव करेंगे पूरा। उन्होंने कहा कि यह केवल नारा नहीं बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के लिए एक ऐतिहासिक संकल्प है, जो देश की राजनीति को नई दिशा देगा।

पार्क साईट से विक्रोली के लिए बस सेवा शुरू करने की मांग

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के नगरसेवक एवं बेस्ट समिति के सदस्य सुनील सयाजी मोरे ने विक्रोली स्थित बेस्ट डिपो का दौरा कर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने पार्कसाईट क्षेत्र से विक्रोली स्टेशन तक जाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बस सेवा संख्या 417 को तत्काल शुरू करने की मांग की। नगरसेवक मोरे ने कहा कि इस बस सेवा के शुरू होने से पार्कसाईट और आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को विक्रोली स्टेशन आने-जाने में काफी सुविधा होगी। बैठक में विक्रोली डिपो के डिपो मैनेजर संजय मांजरेकर तथा इंजीनियरिंग विभाग के सहायक अभियंता संतोष बंकर भी उपस्थित रहे।

गुजरात में वकील ने पुलिस की गाड़ी पर उठाए सवाल

गुजरात। में हाईवे पर वाहन चालकों के चालान काट रही पुलिस टीम से एक वकील की बहस का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। बताया जा रहा है कि पुलिस अधिकारी हाईवे किनारे खड़े होकर वाहनों की जांच कर रहे थे और नियमों के उल्लंघन पर चालान काट रहे थे। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक वकील ने पुलिस की गाड़ी की जांच की और आरोप लगाया कि उस वाहन का पीयूसी प्रमाणपत्र एक्सपायर है। वकील ने सवाल उठाया कि जब पुलिस आम लोगों के चालान काट रही है, तो अगर सरकारी वाहन के दस्तावेज भी एक्सपायर हों, तो उसका चालान कौन करेगा।

वकील का कहना था कि गाड़ी भले ही सरकारी हो, लेकिन उसे चला रहे अधिकारी की जिम्मेदारी है कि उसके सभी दस्तावेज वैध हों। उन्होंने यह भी कहा कि आम नागरिकों से छोटे-छोटे नियमों पर हजारों रुपये का चालान लिया जाता है, जबकि सरकारी वाहनों पर ऐसे नियमों का पालन हमेशा नहीं किया जाता। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है और लोग इस पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। हालांकि इस मामले में स्थानीय प्रशासन की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आना बाकी है।

अमोल पालेकर होंगे मेटा के लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित

मुंबई। महिंद्रा ग्रुप द्वारा स्थापित और टीमवर्क आर्ट्स द्वारा प्रस्तुत महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवॉर्ड्स (मेटा) का 21वां संस्करण 19 से 25 मार्च 2026 के बीच नई दिल्ली में आयोजित होगा। इस दौरान देश भर से चुने गयी उत्कृष्ट रंगमंचीय प्रस्तुतियों को एक मंच पर लाया जाएगा। इस वर्ष मेटा लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से महान अभिनेता, निर्देशक और रंगकर्मी अमोल पालेकर को सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान भारतीय रंगमंच और सिनेमा में उनके असाधारण योगदान के लिए दिया जा रहा है। पालेकर ने अपने लंबे करियर में रंगमंच को नए प्रयोगों के साथ लोकतांत्रिक बनाया और थिएटर को पार्क, छत, कैंटीन और गैराज जैसे स्थानों तक पहुंचाया। 1970 के दशक में उन्होंने आम आदमी की सहज छवि से हिंदी सिनेमा में एक अलग पहचान बनाई और बाद में एक ऐसे निर्देशक के रूप में भी प्रसिद्ध हुए, जिन्होंने सामाजिक और व्यक्तिगत विषयों को अपने काम का केंद्र बनाया। 2026 के संस्करण के लिए मेटा को रिकॉर्ड 422 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, जो इसके इतिहास में सबसे अधिक हैं। ये प्रविष्टियां 20 से अधिक भारतीय राज्यों, 100 से ज्यादा शहरों और 60 भाषाओं व बोलियों का प्रतिनिधित्व करती हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने उठाए अहम मुद्दे

वसई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विधानसभा में बोलते हुए वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने महिलाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को सदन के सामने रखा। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सम्मान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे व्यवहार और नीतियों में भी उतारना जरूरी है। इसी सोच के साथ उन्होंने महिलाओं के हित में कई मांगें रखीं।

सबसे पहले उन्होंने आंगनवाड़ी वर्कर और आशा वर्कर के लिए न्याय की मांग की। बढ़ती महंगाई को देखते हुए उनके मानदेय में बढ़ोतरी करने और लंबे समय से चली आ रही सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने की मांग को दोहराया। साथ ही उन्होंने कहा कि इन कर्मियों को सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन और हेल्थ इंश्योरेंस जैसी सुविधाएं भी दी जानी चाहिए। उन्होंने गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली महिलाओं के लिए सैनिटरी नैपकिन योजना लागू करने की मांग भी रखी। इसके तहत बीपीएल और अंत्योदय राशन कार्ड धारक महिलाओं को राशन दुकानों के माध्यम से सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा गया। इस योजना को ट्राइबल, महिला एवं बाल कल्याण और सामाजिक न्याय विभाग के साथ मिलकर लागू करने की बात कही गई, ताकि महिलाओं की हेल्थ, हाइजीन और कुपोषण से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जा सके।

इसके अलावा उन्होंने कोली समुदाय की महिलाओं की समस्याओं की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि सिर पर मछलियों की टोकरी लेकर दूर-दूर तक काम करने जाने वाली इन महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। साथ ही उनके काम को सुगम बनाने के लिए आर्थिक सहायता और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। वसई के वसंत नगरी में हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त किया। लगभग 15 दिन की एक नवजात बच्ची को प्लास्टिक के कचरे में बैग में भरकर फेंक देने की घटना को बेहद गंभीर बताते हुए उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और संबंधित अस्पताल तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

अपने संबोधन के अंत में उन्होंने कहा कि महिला दिवस का सही अर्थ तभी सार्थक होगा जब सरकार महिलाओं की सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए।

वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने महाराष्ट्र की सभी महिलाओं को समर्पित करते हुए चार पंक्तियां भी कही–

तुम कभी रुकोगी नहीं,
तुम कभी रुकोगी नहीं,
तुम कभी डरोगी नहीं,
तुम कभी गायब नहीं होओगी।
तुम नारी शक्ति हो,
जननी हो, इस दुनिया को बनाने वाली हो।

उन्होंने सभी महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं और उनके अधिकार, सम्मान और सुरक्षा के लिए निरंतर संघर्ष का संकल्प दोहराया।

तेल व एलपीजी संकट की आहट से थाली से ठेला तक बढ़ी चिंता

चाय-नाश्ते से सब्जी तक बढ़ सकते हैं दाम, ठेला-खुमचा वालों की चेतावनी : सिलेंडर और डीजल बढ़ा तो 10 की चाय 15 करनी पड़ेगी

-सुरेश गांधी

वाराणसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक तेल बाजार में अनिश्चितता की आहट अब भारत के बाजारों में भी महसूस होने लगी है। पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कीमतों को लेकर बनी चिंता ने रोजमर्रा के सामानों के दाम बढ़ने की आशंका को जन्म दे दिया है। बाजार के जानकारों का कहना है कि अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में तेजी आती है तो इसका असर केवल पेट्रोल पंप तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सब्जी, दूध, आटा, दाल, चाय-नाश्ता, मिठाई और होटल-ढाबों की थाली तक दिखाई देगा। वाराणसी समेत कई शहरों में ठेला-खुमचा चलाने वाले छोटे कारोबारियों और रेहड़ी-पटरी वालों ने पहले ही चिंता जतानी शुरू कर दी है। महंगाई का सबसे पहला असर रोजमर्रा के छोटे कारोबारों पर पड़ता है। चाय की दुकान, समोसे-कचौड़ी का ठेला, नाश्ते के खोमचे और सड़क किनारे के ढाबे, इन सबका खर्च सीधे गैस और ईंधन पर निर्भर होता है। कॉमर्शियल सिलेंडरों की कमी के कारण चाय-नाश्ते की दुकानों और छोटे रेस्तरां को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। वाराणसी के सिगरा क्षेत्र में चाय का ठेला लगाने वाले राजेश कुमार कहते हैं, ह्लपहले ही सिलेंडर महंगा है, अगर और बढ़ा तो 10 रुपये वाली चाय 15 रुपये करनी पड़ेगी। नहीं तो दुकान चलाना मुश्किल हो जाएगा।ह्व जहां पहले 10 रुपये में मिलने वाली चाय अब 15 या 20 रुपये में मिलने लगी है, वहीं नाश्ते की प्लेट और अन्य खाद्य पदार्थों के दाम भी बढ़ गए हैं। कुछ दुकानदारों का कहना है कि गैस सिलेंडर महंगा होने के कारण उन्हें अपनी कीमतें बढ़ानी पड़ी हैं। इसी तरह भेल-पूरी का ठेला लगाने वाले गुड्डू साहनी कहते हैं कि बाजार में पहले ही आलू, तेल और मसाले महंगे हो चुके हैं। अगर डीजल और गैस बढ़ा तो सामान की ढुलाई भी महंगी हो जाएगी। ऐसे में हमें भी रेट बढ़ाना पड़ेगा। व्यापारियों का कहना है कि पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने से सबसे पहले सब्जियों और खाद्यान्न की ढुलाई महंगी हो जाती है। मंडी से बाजार तक सब्जियां ट्रकों और छोटे वाहनों से आती हैं। डीजल महंगा होने पर परिवहन खर्च बढ़ जाता है, जिसका असर सीधे खुदरा कीमतों पर दिखाई देता है।

सम्मानित व्यक्ति का अपमान उसकी मौत के समान : पंडित धर्मराज तिवारी

-शिव पूजन पाण्डेय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। किसी भी सम्मानित व्यक्ति के लिए उसका सम्मान ही सबसे बड़ी पूंजी होती है। यदि उसे व्यक्ति का अपमान होता है तो वह उसके लिए मृत्यु के समान होता है। बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित घनश्यामपुर में प्रमोद तिवारी के यहां आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के 6ठे दिन कथा व्यास से बोलते हुए प्रख्यात कथावाचक पंडित धर्मराज तिवारी ने उपरोक्त बातें कही। भगवान श्री कृष्णा और रुक्मणी के विवाह की कथा सुनाते हुए उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन केवल धर्म स्थापना और युद्ध विजय तक सीमित नहीं था, बल्कि यह प्रेम, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना से भी जुड़ा हुआ था। उनके जीवन की अनेक लीलाओं में से एक सबसे महत्वपूर्ण घटना थी रुक्मिणी विवाह। यह केवल एक राजकुमारी और एक राजकुमार का विवाह नहीं था, बल्कि यह सच्चे प्रेम, भक्ति और समर्पण की विजय की कथा है। उन्होंने बताया कि रुक्मिणी ने भगवान श्रीकृष्ण को मन, वचन और कर्म से अपना पति मान लिया था, लेकिन उनके भाई रुक्मी ने उनके विवाह को रोकने के लिए हर संभव प्रयास किया। फिर भी, जब प्रेम सच्चा हो और भक्ति अडिग हो, तो स्वयं भगवान उसे सफल बनाते हैं। यही सिद्धांत इस कथा का मूल है। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में कमला प्रसाद तिवारी बड़े बाबू, डॉ श्रीपाल पांडे, पूर्व प्रधानाचार्य रामकीरत दुबे, राम अनंद पांडे, रमेश दुबे, पूर्व प्रधान राम जियावन तिवारी, प्रधान हरसू पाठक, रामधारी तिवारी, प्रवक्ता मयाशंकर तिवारी, जिला पंचायत सदस्य शिव प्रताप सिंह , वीरेंद्र सिंह, रामसागर सिंह, रविंद्र तिवारी, हृदय प्रकाश तिवारी, प्रधान अवधेश तिवारी, अगर्दी पांडे, स्वतंत्र मिश्रा, शशिधर तिवारी, श्रवण तिवारी, राजेंद्र तिवारी, गोरखनाथ गुप्ता, पारसनाथ गुप्ता , शिवपूजन बरनवाल, हरिओम बरनवाल ,दुर्गेश श्रीवास्तव, अच्छेलाल मिश्र, शंभूनाथ मिश्र, दिवाकर मिश्र, विजय प्रकाश मिश्र, अभिनव तिवारी, शिव तिवारी, नीरज तिवारी, धीरज तिवारी, रिंकल तिवारी समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

गोलीबारी मामले में फरार आरोपी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशीमीरा अंतर्गत बिगत 13/10/2023 को सुबह लगभग 10.09 बजे, जब शिकायतकर्ता चंद्रकांत मल्लप्पा कोंडगुले काशिमीरा स्थित इंटरनेशनल बेकिंग कंपनी की दुकान पर काम कर रहे थे, तभी एक अज्ञात आरोपी ने उन्हें जान से मारने की नीयत से पिस्तौल से गोली मारने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी की पिस्तौल से गोली नहीं चली और वह भाग गया। शिकायतकर्ता की शिकायत के आधार पर, काशिमीरा पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 307, 384, 386, 120(बी), 34 के साथ-साथ भारतीय दंड संहिता की धारा 3 और 25 तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 37(1) और 135 के तहत मामला दर्ज किया गया। अपराध की जांच के दौरान यह पाया गया कि उक्त अपराध एक संगठित आपराधिक गिरोह की साजिश से किया गया था, और तदनुसार, वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों के तहत महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम, 1999 की धारा 3(1)(11), 3(2), 3(4) को शामिल किया गया। उक्त अपराध का मुख्य आरोपी निसार अहमद फजल अहमद शेख उर्फ पप्पू पेजर अपराध होने के बाद से ही विदेश फरार था। क्राइम ब्रांच, यूनिट 1 के सूचना मिली थी कि मुंबई एयरपोर्ट पर आ रहा है, सूचना मिलने के बाद उक्त आरोपी को 11/03/2026 को विमान से छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, मुंबई पहुंचा था। तभी आरोपी निसार अहमद फजल अहमद शेख उर्फ पप्पू पेजर को हिरासत में लिया गया। इसके खिलाफ वडाला ट्रक टर्मिनल पुलिस स्टेशन, बायकुला पुलिस स्टेशन और काशिमीरा पुलिस स्टेशन में कुल 4 मामले दर्ज किए गए हैं। काशीमीरा में दर्ज मामले की आगे की जांच मदन बल्लाल, सहायक पुलिस आयुक्त (खुलासा), अपराध शाखा, एम.आई.वी.वी. द्वारा की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी को आज माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। माननीय न्यायालय ने उसे 20/03/2026 तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। उपरोक्त कार्य निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, एम.आई.बी.-वी.वी. पुलिस आयुक्त कार्यालय, दत्तात्रेय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, संदीप डोइफोडे, पुलिस उपायुक्त, अपराध शाखा, मदन बल्लाल, सहायक पुलिस आयुक्त, अपराध शाखा, द्वारा पुलिस निरीक्षक प्रभारी सुशील कुमार शिंदे, सपोनी योगेश काले, सपोनी योगिता बाविस्कर, विशेष शाखा, सफी अविनाश गर्जे, पोसी धीरज मेनगाने, मसूब किरण असवाले, जो सभी अपराध प्रकटीकरण प्रकोष्ठ-01 के मार्गदर्शन में किया गया है।

लीडर ऑफ अपोज़िशन मनोज पाटिल ने व्हाइट पेपर और स्पेशल ऑडिट की मांग की

विरार। वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एडमिनिस्ट्रेशन के पिछले पांच सालों में अलग-अलग डेवलपमेंट के कामों में करोड़ों रुपये की गड़बड़ियों, करप्शन और घोटालों के गंभीर आरोप सामने आए हैं। इस दौरान नियमों को ताक पर रखकर लागू किए गए टेंडर प्रोसेस, बिना इजाजत कंस्ट्रक्शन की बढ़ती संख्या और सिविक सुविधाओं के नाम पर फिजूलखर्ची ने आम लोगों पर बहुत ज्यादा पैसे का बोझ डाला है। इस बैकग्राउंड में, लीडर ऑफ अपोज़िशन मनोज पाटिल ने जोरदार तरीके से मांग की है कि म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के इन सभी संदिग्ध कामों पर व्हाइट पेपर जारी किया जाए और उनका स्पेशल ऑडिट किया जाए। इस बारे में उन्होंने 5 मार्च, 2026 को मेयर अजीव पाटिल और म्युनिसिपल कमिश्नर मनोज कुमार सूर्यवंशी को एक डिटेल्ड लेटर लिखकर जांच की मांग की है।

इस शिकायत में सबसे बड़ा और गंभीर मुद्दा टेंडर स्कैम है। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने मैनपावर देने के लिए करीब 150 करोड़ रुपये का टेंडर निकाला था। खास बात यह है कि जिन कंपनियों के खिलाफ 2012 से 2018 के बीच 3165 वर्कर्स का प्रोविडेंट फंड, इंश्योरेंस और मिनिमम वेज न देकर करीब 122 करोड़ रुपये हड़पने के केस दर्ज हैं, उन्हें फिर से इस प्रोसेस में शामिल किया गया। इस केस का दायरा इतना बड़ा था कि खुद मुख्यमंत्री ने उस समय विधानसभा में माना था कि इसकी जांच इकोनॉमिक क्राइम विंग और कोंकण डिविजनल कमिश्नर कर रहे हैं। इसके बावजूद क्रिमिनल बैकग्राउंड वाले कॉन्ट्रैक्टर्स को भेदभाव वाला काम देना एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम की एफिशिएंसी पर बड़ा सवालिया निशान लगाने जैसा था। मैनपावर की सप्लाई ही नहीं, बल्कि शहर की खूबसूरती के नाम पर नगर पालिका को लूटा भी गया। पार्क्स एंड ट्रीज अथॉरिटी के तहत चार झीलों पर नकली बिजली सिस्टम लगाने के लिए 6.75 करोड़ रुपये से ज्यादा का प्रोविजन किया गया। असल में, जब यह सिस्टम बाजार में सिर्फ.1 करोड़ रुपये में मिल रहा था, तो 5 करोड़ रुपये और खर्च कर दिए गए। हैरानी की बात यह है कि इस काम के लिए बिजली विभाग से कोई टेक्निकल मंजूरी नहीं ली गई। यह भी बताया गया कि इस काम का कोई नक्शा या ड्राइंग भी उपलब्ध नहीं थी।

एडमिनिस्ट्रेटिव लेवल पर गाड़ी भत्ता घोटाले की हद पार हो गई है। 2013 के प्रस्ताव के मुताबिक, जिन अधिकारियों को गाड़ी भत्ता दिया जाता है, उनसे नगर पालिका की गाड़ी इस्तेमाल करने की उम्मीद नहीं की जाती। लेकिन, कई डिप्टी कमिश्नर, असिस्टेंट कमिश्नर और डिपार्टमेंट हेड एक तरफ भत्ता लेकर घूम रहे हैं और दूसरी तरफ नगर पालिका की गाड़ियों का इस्तेमाल अपने पर्सनल कामों के लिए कर रहे हैं। यह भी देखा गया है कि कुछ अधिकारी नगर पालिका की गाड़ियों में आ-जा रहे हैं। हेल्थ और अर्बन प्लानिंग डिपार्टमेंट में कॉन्ट्रैक्ट इंजीनियरों को भी गलत तरीके से गाड़ियां दी जा रही हैं, जिससे नगर निगम के खजाने पर दोहरा बोझ पड़ रहा है। हाउस रेंट रिकवरी के मामले में भी लोगों को मुश्किल में डाल दिया गया है। मैप माई इंडिया जैसी प्राइवेट कंपनी को कमर्शियल प्रॉपर्टी के सर्वे का कॉन्ट्रैक्ट 9 परसेंट की गलत दर पर दिया गया। नियमों के मुताबिक, यह दर 3 परसेंट से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। सवाल यह भी उठाया गया कि जब नगर निगम के पास अपने 110 कर्मचारी थे, तो यह काम प्राइवेट कंपनी को क्यों दिया गया। टैक्स का ठीक से हिसाब न रखने से नगर निगम को करीब 12 परसेंट का नुकसान हुआ है। कारोबारियों से जो वसूली हुई, वह जबरदस्ती वसूली के तौर पर हुई। शहर की प्लानिंग को देखें तो सिर्फ. दो साल में बिना इजाजत कंस्ट्रक्शन की संख्या 10,803 तक पहुंच गई थी। बिना इजाजत कंस्ट्रक्शन कंट्रोल रूम बनाने के बावजूद बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन किया गया। इन सबने सड़क, पानी और कचरा मैनेजमेंट पर बहुत ज्यादा दबाव डाला है। कचरा कलेक्शन का काम देख रहे पुराने और क्रिमिनल रजिस्टर्ड कॉन्ट्रैक्टर को बार-बार एक्सटेंशन दिया गया। ग्रीन ट्रिब्यूनल ने अब तक नगर निगम पर 200 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया है। उसके बाद भी प्रशासन नया ट्रांसपेरेंट सिस्टम लागू नहीं कर पाया है। मनोज पाटिल ने बताया है कि पैचवर्क के नाम पर हर साल करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है। अगर इन सभी मामलों की अच्छी तरह से जांच की जाए तो उम्मीद है कि कई बड़े अधिकारियों की पोल खुल जाए